RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 169 , शनिवार, 01 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

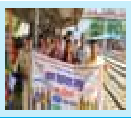

बापूधाम रेलवे स्टेशन पर बाल सहायता समूह की बैठक, बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण पर बनी ... 03

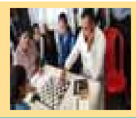

जिला स्तरीय चंपारण चैम्पियन कैरम-शतरंज प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं का हुआ सम्मान 04

जब रियल लाइफ में 'बबीता जी' मुनमुन दत्ता ने उठाई हक की ... 07

संक्षिप्त समाचार

सीएम शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश

- बंगाल के बर्धमान से जैश का आतंकी अरेस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश सामने आई है। एसटीएफ ने राज्य के बर्धमान जिले से हामिद मंडल के आतंकी को अरेस्ट किया है। एसटीएफ ने हामिद मंडल के जैश से जुड़े होने का दावा किया। एसटीएफ की तरफ से आतंकी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद 9 मई को राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बर्धमान जिले से जैश ए मुहम्मद के आतंकी हामिद मंडल को गिरफ्तार किया है। बंगाल पुलिस के अनुसार, जैश से जुड़े आतंकी हामिद मंडल ने सीएम शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश रची थी। हामिद मंडल को गुरुवार देर रात बर्धमान जिस किराये के फ्लैट से गिरफ्तार किया, उसमें दो-तीन महीनों से छिपकर रह रहा था। उसके साथ उसकी पत्नी, एक बेटी और दो बेटे भी साथ रहते थे। हामिद सज्जाद भट समूह से जुड़ा है आतंकी एसटीएफ के अनुसार आतंकी हामिद को बर्दवान के रेनेसां हाउसिंग से गिरफ्तार किया गया है।

योगी सरकार के फैसले से गदगद् हुई मायावती

- कहा-9 अक्टूबर तक कांशीराम नगर भी वापस दीजिए

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी सरकार के भदोही को फिर से संत रविदास नगर के नाम से जिला बनाने के फैसले का स्वागत किया है। मायावती ने सीएम योगी आदित्यनाथ से कासगंज जिले को भी फिर से कांशीराम के नाम पर रखने की मांग की है। मायावती ने कहा कि 9

अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस से पहले सरकार इस मांग को पूरी कर दे तो इसके लिए सरकार के आभारी रहेंगे। भदोही को फिर से संत रविदास नगर जिला बनाने पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने राज्य सरकार का आभार जताया है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि बीएसपी सरकार ने भदोही को राज्य मुख्यालय का दर्जा देते हुये संत रविदास नगर के नाम से नया जिला बनाया था। लेकिन सपा की सरकार ने अपनी संकीर्ण जातिवादी मानसिकता के तहत इसे बदल दिया था। उन्होंने कहा कि अब फिर से संत रविदास नगर ज़िला स्थापित कर दिया है, जिसके लिये पार्टी राज्य सरकार की आभारी है। मायावती ने कहा है कि बीएसपी की यूपी में रही चारों सरकारों में प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने का काम किया था।

पीएम पर टिप्पणी करने वाली लड़की पर एफआईआर का शुरू हुआ विरोध

- कॉकरोच जनता पार्टी बोली-देश में लोग रोज गाली देते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की रुचिका सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध किया है। प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि लड़की के खिलाफ आपराधिक केस की जगह मानहानि का केस दर्ज करना चाहिए। यह कार्रवाई मशीनरी का दुरुपयोग

है। इस देश में लोग चलते-फिरते गाली देते हैं। यह अपराध कैसे बन गया। यह मामला 23 जुलाई को जंतर-मंतर का है। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में लड़की पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करती नजर आई थी। गाजियाबाद की रहने वाली स्मृति सिंह ने रुचिका के खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने रुचिका पर जानबूझकर अपमान करने, सार्वजनिक उपद्रव फैलाने और मानहानि के आरोप में केस दर्ज किया।

- राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का प्रदर्शन, मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस

संसद में पप्पू यादव पुजारी बनकर पहुंचे, राहुल ने चंदा दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था। इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ।

लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं। वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के संसद में दिए गए बयान को लेकर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया है। सिंह ने कहा था कि जंतर-मंतर और संसद

मार्च में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग नहीं हुई थी। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 पारित करने का प्रस्ताव रखा। बिल ध्वनि मत से पास हुआ। इसके बाद विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई।

रिजिजू बोले- सदन में बिल पर चर्चा करें, हंगामा नहीं

किरेन रिजिजू ने कहा कि हम चाहते हैं कि भविष्य में ऐसा न हो। आप चर्चा में शामिल नहीं होते और बाहर जाकर कहते हैं कि सरकार चर्चा नहीं कराती। अगला बिल लेकर आएंगे और आप हंगामा करेंगे तो अच्छा नहीं होगा। चर्चा करें, हंगामा ना करें। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है। अनुराग का आरोप है कि राहुल गांधी ने को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। गंभीर व बेबुनियाद आरोप लगाए। दरअसल, बुधवार को राहुल ने पेपर लीक संशोधन बिल पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल के भाषण के एक हिस्से को स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही से हटा दिया था।

मेरे पिता घर आए तो खून से लाल थी वर्दी

- सीजेपी प्रदर्शन पर पुलिस परिवारों का पलटवार

परिजनों ने कहा- प्रोटेस्ट में स्टूडेंट नहीं, गुंडे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में घायल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों के परिजन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 20 तारीख के बाद यही नेरेटिव चलाया जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा, लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और ही है। हमला पुलिसवालों पर भी हुआ है। घायल पुलिसवाले की बेटी गुंजन ने कहा- प्रदर्शन में असामाजिक तत्व भी थेः मेरे पिता जंतर-मंतर पर बैरिकेड के पास तैनात थे। वे अक्सर कहते थे कि यह अब सिर्फ छात्रों का प्रदर्शन नहीं रहा, इसमें असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए हैं। 20 जुलाई को रात 10 बजे मेरे पिताजी को उनके साथी घर लेकर आए। उनकी वर्दी खून से लथपथ थी। हिंसक भीड़ ने उन्हें घसीटा और जंतर-मंतर मंच के पास पीट-पीटकर मारने की कोशिश की थी।

एसआई की पत्नी बोलीं-

शरारती तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया- 20 जुलाई शाम 7 बजे पति को कॉल किया, तो वो हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे। भीड़ में मौजूद शरारती तत्वों ने पत्थर और हथियारों से पुलिस जवानों को घायल कर दिया था। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। रात 11 बजे जब पति घर आए, तो उन्होंने बताया कि संसद की सुरक्षा के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ा गया और पुलिस फोर्स पर हमला किया गया। ड्यूटी के दौरान उन्हें मिला हेलमेट पूरी तरह टूट चुका था। मेरे पिता एसआई हैं। उन्हें बहादुरी के लिए 4 सम्मान मिल चुके हैं। मेरे दादाजी भी बीएसएफ में थे। 1971 की जंग लड़ चुके हैं। जंतर-मंतर प्रदर्शन में पिता फ्रंटलाइन पर तैनात थे। उनके साथी से पता चला कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी है। जब उनकी तस्वीर देखी तो सिर मुंडा हुआ था और चार टांके लगे थे। मैं डर गया था। पिता ने बताया कि प्रदर्शन में सिर्फ छात्र नहीं थे, बल्कि हिंसक और उपद्रवी लोग भी शामिल थे।

2011 से अलग रह रहे उमर अब्दुल्ला-पायल का तलाक

32 साल पहले हुई थी शादी, सुप्रीम कोर्ट ने आपसी सहमति से डिवोर्स को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल को तलाक की मंजूरी दे दी है। उनकी शादी 32 साल पहले हुई थी। दोनों 2011 से अलग रह रहे थे। दोनों ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने आपसी सहमति से अपनी शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने

का फैसला किया है। उमर अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी शादी को खत्म करने से इनकार कर दिया था। उमर और पायल की मुलाकात दिल्ली के ओबेरॉय होटल में काम करने के दौरान हुई थी। उन दोनों के दो बेटे हैं, जिनके नाम जहीर और जमीर हैं। सीनीयर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस अराधे की बेंच को बताया कि दोनों ने इस महीने की शुरुआत में शादी को भंग करने का आवेदन दायर किया था।

भोजशाला के पीछे की जमीन पर पढ़ी गई नमाज

- अंतरिम 'सुप्रीम' फैसले के बाद पुलिस ने की व्यवस्था

इंदौर (एजेंसी)। धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद शुक्रवार को एक नया घटनाक्रम सामने आया। प्रशासन और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के बीच गुरुवार देर रात हुई चर्चा के बाद भोजशाला परिसर की पिछली बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर जुमे की नमाज अदा करने पर सहमति बनी। इसके बाद प्रशासन ने मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और पुलिस बल के साथ बैरिकेडिंग कराई। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच मुस्लिम समाज के लोग नमाज के लिए निर्धारित स्थल पर पहुंचे। बारिश के कारण जमीन गीली होने पर वहां तिरपाल बिछाई गई। शुरुआत में करीब 10 से 15 लोग जुमे की नमाज अदा करने पहुंचे। धीरे-धीरे नमाजियों का सिलसिला बढ़ते-बढ़ते 100 से ऊपर पहुंच गया। कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के सदर अब्दुल समद एवं याचिकाकर्ता भी नमाज पढ़ने स्थल पर पहुंचे।

जगह को लेकर स्थानीय लोगों ने जताई आपत्ति

हालांकि नमाज के लिए तय किए गए स्थल को लेकर स्थानीय हिंदू समाज के कुछ लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई है। दरअसल, भोजशाला के पीछे रहने वाले रहवासियों का दावा है कि यह जमीन निजी कृषि भूमि है और उसका स्वामित्व उनका है। उनका कहना है कि इस जमीन पर नमाज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार सुबह कुछ स्थानीय लोग जमीन के आसपास एकत्रित हुए और अपनी आपत्ति प्रशासन के सामने रखी। उधर, मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को अपने पक्ष में बताते हुए इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। प्रतिनिधियों का कहना है कि अब उनकी नजर 5 अगस्त को प्रस्तावित अगली सुनवाई पर है।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही

- 9 लोगों की मौत, मरम्मत का काम चलते वक्त हादसा
- 4-5 लोगों के फंसे होने की आशंका

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11.30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय

यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था। एक अधिकारी ने इस बिल्डिंग में रह रहे लोगों के हवाले से बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे इमारत में जोरदार चटकने की आवाजें सुनी गईं। कुछ लोगों ने दरारें भी देखीं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना शुरू कर दिया, तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीमों ने रेस्क्यू किया।

पाकिस्तान के कराची में गैंगवार

- फिल्म 'धुरंधर' वाले उजैर बलोच के भाई पर हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की जेल में बंद कराची के गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर जानलेवा हमला हुआ है। जुबैर को गुरुवार शाम को कराची के लियारी इलाके में गोली मार दी गई। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जुबैर की हालत गंभीर है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, जुबैर को सीने और पेट में गोली लगी है। उसे शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोलीबारी में दो राहगीर भी घायल हुए हैं। उजैर को रहमान डकैत के दाहिने हाथ के रूप में जाना जाता है।

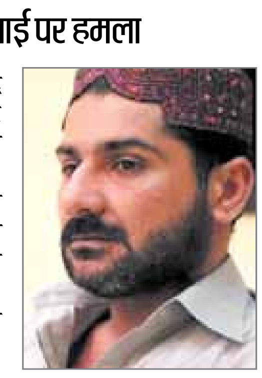

मोदी सरकार युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धःजयशंकर

- विदेश मंत्री ने एंटी पेपर लीक बिल का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी गुरुवार को पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल पास हो गया। इसके साथ ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के उपायों को मजबूत करने वाले इस कानून को संसद की मंजूरी मिल गई है। इस बिल के दोनों सदनों से पारित होने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्वागत क्या है। उन्होंने कहा, यह कानून भारत की सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और निष्पक्षता को और मजबूत करेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, यह विधेयक तय समय-सीमा में जांच, विशेष लोक अभियोजक, विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट और अपील की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान करता है।

सजा और जुर्माना बढ़ाया गया

बता दें लोकसभा और राज्यसभा से एंटी पेपर लीक बिल के पास होने के बाद अब इसके राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने और कानून बनने का रास्ता साफ हो गया है। पेपर लीक रोकने के मकसद से लाए गए नए विधेयक में सजा और जुर्माने दोनों को बढ़ाया गया है। आर्थिक दंड (जुर्माना) बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए कर दिया गया है। साथ ही जेल की सजा और तेजी से सुनवाई (फास्ट-ट्रैक कार्यवाही) का भी प्रावधान किया गया है।

- बिहार सीएम से परिवार की मुलाकात के बाद ऐक्शन, 5 गोलियां मारी गई थीं

भरत एनकाउंटर में पहली गोली मारने वाला जवान गिरफ्तार

आरा (एजेंसी)। बिहार में भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर में बड़ी कार्रवाई हुई है। उस पर गोली चलाने वाले बिहार एसटीएफ के जवान अक्षय कुमार को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। भरत तिवारी का एनकाउंटर 17 जून को हुआ था। उसकी मां आशा देवी ने अक्षय कुमार पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी जवान को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरोप है कि आत्मसमर्पण करने के बाद भरत तिवारी को सबसे पहली गोली अक्षय कुमार ने मारी थी। एनकाउंटर की जांच के दौरान कई बार

बुलाने के बाद भी वह पूछताछ के लिए नहीं आया। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और सर्विलांस के आधार पर उसे पकड़ा है। भरत तिवारी के परिवार ने 24 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की थी। सीएम ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। उसी दिन 2 अफसरों पर कार्रवाई हुई। अब 6 दिन बाद जवान की गिरफ्तारी हुई है। बता दें कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भरत को 5 गोलियां मारे जाने की पुष्टि हुई थी। जबकि पुलिस तीन गोली लगने की बात कर रही थी।

- **मां ने कहा-एसटीएफ जवान ने पहली गोली चलाई थी-** भरत एनकाउंटर में पहली गिरफ्तारी पर आशा देवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पुलिस ने कार्रवाई की है। आगे भी ऐक्शन होना चाहिए। एसडीएम, डीएसपी की भी गिरफ्तारी होनी चाहिए, भरत ने उनका नाम लिया था। दरोगा भी शामिल था। उसे भी गिरफ्तार करना चाहिए। सीएम ने इंसाफ दिलाने की बात कही है, मुझे उन पर भरोसा है।' भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा, सीएम सम्राट चौधरी ने जो कहा था वो सच होता दिख रहा है। जिसकी गिरफ्तारी हुई है, उसने ही पहली गोली मारी थी। अब सारे भेद वही खोलेगा। सीएम ने कहा था किसी को छोड़ेंगे नहीं। जो कहे थे वो वादा निभा रहे हैं। भरत तिवारी की भाभी सुमन देवी ने कहा, 'सीएम के पास गए थे, उसके बाद अब एक गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने इंसाफ का भरोसा दिया था। वो अपना काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि न्याय मिलेगा।' परिजनों ने इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मामले में शामिल अन्य पर भी सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई है।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर सबसे आगे, भाजपा दूसरे और राजद तीसरे स्थान पर

बांकीपुर एग्जिट पोल

प्रातः आवाज़ः पटना। पटना की प्रतिष्ठित बांकीपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को हुए उपचुनाव के बाद अब राजनीतिक दलों और मतदाताओं की निगाहें 3 अगस्त को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। परिणाम से पहले सामने आए विभिन्न एग्जिट पोल ने मुकाबले को लेकर नई राजनीतिक चर्चा छेड़ दी है। अधिकांश सर्वे एजेंसियों ने जन सुराज पार्टी के संस्थापक एवं उम्मीदवार प्रशांत किशोर को बढ़त में दिखाया है। एग्जिट पोल के अनुसार, प्रशांत किशोर करीब 40 प्रतिशत वोट शेयर के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा लगभग 35 प्रतिशत वोट शेयर के साथ दूसरे स्थान पर बताए गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा गुप्ता करीब 20 प्रतिशत वोट शेयर के साथ तीसरे स्थान पर दिखाई गई हैं। अन्य उम्मीदवारों के खाते में लगभग 5 प्रतिशत वोट जाने का अनुमान जताया गया है। बांकीपुर सीट इस बार खासा चर्चित रही, क्योंकि यह भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न मानी जा रही है। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नितिन नवीन ने इस सीट पर बड़ी जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार प्रशांत किशोर के स्वयं चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय और बेहद दिलचस्प हो गया। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा, जन सुराज और राजद ने पूरी ताकत झोंक दी थी। सभी दलों ने अपनी जीत के दावे किए हैं, लेकिन एग्जिट पोल ने मुकाबले को और रोमांचक बना दिया है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कम मतदान और स्थानीय समीकरण अंतिम परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। गौरतलब है कि एग्जिट पोल केवल मतदान के बाद किए गए सर्वेक्षणों पर आधारित अनुमान होते हैं। इनका उद्देश्य संभावित रुझान बताना होता है, न कि आधिकारिक परिणाम घोषित करना। वास्तविक नतीजे 3 अगस्त को मतगणना पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होंगे। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि एग्जिट पोल के अनुमान सही साबित होते हैं या मतपेटियों से कोई नया राजनीतिक संदेश निकलकर सामने आता है।

440 वोल्ट तार की चपेट में आने से किसान की मौत

प्रातः आवाज़ः शेखपुरा। चेवाड़ा थाना क्षेत्र के उकसी गांव में खेत में धान रोपनी करने गए एक किसान की 440 वोल्ट के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान उकसी गांव निवासीकुंदन कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार कुंदन कुमार अन्य लोगों के साथ खेत में धान की रोपनी करने गए थे। इसी दौरान खेत में पहले से 440 वोल्ट का नंगा बिजली का तार गिरा हुआ था। जैसे ही उनका संपर्क तार से हुआ, तेज करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के भाई चंदन कुमार और बहनोई सूचित कुमार ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

गंडक नदी के पास दिखा घड़ियाल, महादेव घाट पर दूसरी बार मौजूदगी से ग्रामीणों में डर

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज प्रखंड स्थित गंडक नदी के महादेव घाट के समीप एक बार फिर घड़ियाल देखा गया है। शुक्रवार को नदी किनारे मौजूद लोगों ने पानी में एक बड़े घड़ियाल को तैरते हुए देखा। इस घटना से आसपास के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में यह दूसरी बार है जब महादेव घाट के पास घड़ियाल दिखाई दिया है। घड़ियाल की लगातार मौजूदगी से नदी में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं, मछुआरों और नाव चालकों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों ने आशंका व्यक्त की है कि यदि प्रशासन और वन विभाग ने समय रहते उचित कदम नहीं उठाए तो कोई अप्रिय घटना हो सकती है। घड़ियाल दिखने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को सूचित किया गया। ग्रामीणों ने वन विभाग से घड़ियाल को सुरक्षित पकड़कर किसी संरक्षित क्षेत्र में छोड़ने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, नदी किनारे चेतावनी बोर्ड लगाने और लोगों को सतर्क करने की भी अपील की गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जब तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक अनावश्यक रूप से नदी के गहरे हिस्से में जाने से बचें। बच्चों को अकेले नदी किनारे न जाने दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। यह उल्लेखनीय है कि बरसात के मौसम में जलस्तर बढ़ने के कारण कई बार जलीय जीव अपने प्राकृतिक क्षेत्र से बहकर अन्य स्थानों पर पहुंच जाते हैं। वन विभाग फिलहाल पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और घड़ियाल की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। स्थानीय लोग प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके।

2 चोरी की भैंसों संग संदिग्ध पकड़ा, ग्रामीणों ने घेरा, हंगामे के बाद पहुंची पुलिस, हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू

हाजीपुर। वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में शुक्रवार को महुआ-हाजीपुर मुख्य मार्ग स्थित कनकट्टा चौक पर ग्रामीणों ने चोरी की दो भैंसों के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। इस घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए, जिससे चौक पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्रामीणों को पहले से दो भैंसों की चोरी की जानकारी थी। इसी बीच, कनकट्टा चौक के पास एक व्यक्ति को दो भैंसों के साथ संदिग्ध हालत में देखा गया। पूछताछ करने पर उसके जवाब संतोषजनक नहीं मिले, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे पकड़कर महुआ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस ने पकड़े गए संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बरामद की गई दोनों भैंसों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि भैंसें किसकी हैं और उन्हें किस स्थान से चोरी किया गया था। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में चोरी की बढ़ती वारदातों को लेकर चिंता देखी गई। ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार हो रही पशु चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि यदि इन मामलों पर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो पशुपालकों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है। पकड़े गए संदिग्ध से पूछताछ के आधार पर चोरी में शामिल अन्य व्यक्तियों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेईसी वैशाली में स्टार्टअप-इनोवेशन वर्कशॉप, एक्सपर्ट्स ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

हाजीपुर। हाजीपुर में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय (जीईसी), वैशाली में नवप्रवेशित बीटेक 2026 बैच के विद्यार्थियों के लिए एक इंडक्शन प्रोग्राम के तहत स्टार्टअप एवं नवाचार विषय पर मेगा वर्कशॉप का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना और उन्हें स्टार्टअप, नवाचार, उद्यमिता तथा तकनीकी शोध के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देना था। कार्यशाला में बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के साथ महाविद्यालय के शिक्षक एवं वरिष्ठ विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। इस दौरान अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, बिहार के चेयरमैन एवं सेवानिवृत्त आईएएस विजय प्रकाश, प्लाज्मआईटी हेल्थकेयर, मेलबर्न के संस्थापक एवं सीईओ अवधेश कुमार तथा जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी), वैशाली के महाप्रबंधक भावेश कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद किया। विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इंजीनियरिंग अब केवल नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान खोजने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, तकनीकी ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। वर्कशॉप में स्टार्टअप इकोसिस्टम, इन्क्यूबेशन, नवाचार, उद्यमिता, सरकारी योजनाओं और उद्योग जगत में उपलब्ध संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

पटना में 32.71 लाख की प्रतिबंधित दवाएं जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

♦ उत्पाद और ड्रग विभाग की संयुक्त छापेमारी, पूरे नेटवर्क की तलाश

पटना में अवैध नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ उत्पाद विभाग और एक्साइज इंटेलिजेंस ब्यूरो (EIB) ने बड़ी कार्रवाई की है। संयुक्त छापेमारी में 32 लाख 71 हजार 560 रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई हैं। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी, शिवपुर स्थित एक कथित अवैध स्टोरेज प्वाइंट पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

20 कार्टन में मिली प्रतिबंधित दवाएंः विभागीय जानकारी के अनुसार, 30 जुलाई की रात करीब 11 बजे ईआईबी और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। तलाशी के दौरान 20 कार्टन में रखी 240 बोतलें, स्पास्मो-प्रॉक्सीवॉन टैबलेट के 3 कार्टन तथा रेक्सोजेसिक इंजेक्शन के 24 कार्टन बरामद किए गए। जब्त दवाओं की कुल कीमत 32.71 लाख रुपये आंकी गई है।

एक आरोपी गिरफ्तारः कार्रवाई के दौरान मौके से मेहंदीगंज निवासी रजनीश कुमार को गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियां उससे दवाओं के स्रोत, सप्लाई चेन और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही हैं।

ड्रग इंस्पेक्टर ने की प्रारंभिक जांचः छापेमारी के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर को भी मौके पर बुलाया गया। उन्होंने बरामद दवाओं की प्रारंभिक जांच की। साथ ही दवाओं के लाइसेंस, भंडारण और उपयोग से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

नेटवर्क की तलाश में जुटी जांच एजेंसियांः ईआईबी के इंस्पेक्टर मोहम्मद सागीर ने बताया कि अवैध नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इन दवाओं की सप्लाई किन क्षेत्रों में की जा रही थी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।।

पटना-सीवान समेत 5 जिलों में बारिश, 25 में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। शुक्रवार की सुबह पटना के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। वहीं सीवान और बेतिया में भी तेज बारिश हुई। दोपहर बाद सासाराम और नालंदा में भी बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज 25 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 अगस्त से कई जिलों में भारी बारिश, वज्रपात 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। अररिया, कटिहार, पूर्णिया, सुपौल, भोजपुर, बक्सर, गया, नवादा, बेगूसराय, मधेपुरा, समस्तीपुर, वैशाली और पश्चिम चंपारण समेत कई जिलों में अलग-अलग दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

❐ 1 अगस्त से कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

पिछले 24 घंटे के दौरान पटना, बेतिया समेत 10 जिलों में बारिश हुई। वहीं, कुछ जिलों में बादल छाए रहे और हल्की हवा भी चली। बिहार में अब तक सामान्य से 42 प्रतिशत कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

दो हिस्सों में बंटा है बिहार का मौसमः मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय मानसून पूरे बिहार में एक समान सक्रिय नहीं है। उत्तर और पूर्वी बिहार में बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी वाली हवाएं पहुंच रही हैं, जिससे बादल तेजी से बन रहे हैं और बारिश की गतिविधियां बढ़ी हुई हैं। दूसरी ओर दक्षिण और मध्य बिहार तक इन हवाओं का असर कमजोर पड़ रहा है। यही वजह है कि इन इलाकों में बारिश कम हो रही है।

मसौढ़ी में 14.2 किलो गांजा जब्त

एजेंसी, पटना

मसौढ़ी (पटना) में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। मसौढ़ी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर खराठ मोड़ के पास से एक युवक को 14 किलो 200 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। यह गांजा एक बैग में छिपाकर ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार युवक की पहचान राजू ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि वह पटना से मसौढ़ी पहुंचा था और दूधीचक की ओर जा रहा था। गुप्त सूचना मिलने के बाद खराठ मोड़ पर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी, तभी पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान राजू ठाकुर के बैग से कुल 14 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने तत्काल मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है ताकि यह पता चल सके कि गांजा कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है या नहीं। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ से मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

मसौढ़ी थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बरामद गांजा को जब्त कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

अजय आलोक बोले- बांकीपुर में बीजेपी जीतेगी पीके मुखिया का चुनाव लड़ें, भाजपा चंदा दे देगी

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मतदान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने आज पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर अपनी जीत का दावा किया। प्रेसवार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक, विधायक संजीव चौरसिया, प्रदेश प्रवक्ता संजय गुप्ता सहित अन्य नेता मौजूद रहे। अजय आलोक ने कहा कि बांकीपुर की जनता ने एक बार फिर भाजपा के पक्ष में अपना विश्वास जताया है और पार्टी को पूरा भरोसा है कि परिणाम उसके पक्ष में आएगा। मतदान के दौरान लोगों का समर्थन भाजपा को मिला और जनता ने विकास तथा सुशासन के पक्ष में मतदान किया।

पीके और राजद पर मिलकर चुनाव लड़ने का आरोपः प्रेसवार्ता में अजय आलोक ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर और राष्ट्रीय जनता दल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे चुनाव में राजद और जन सुराज के बीच अप्रत्यक्ष समझ बनी रही और दोनों ने मिलकर चुनावी प्रयोग किया।

'फर्जी एग्जिट पोल' फैलाने का आरोपः अजय आलोक ने आगे कहा, 'मतदान समाप्त होने से पहले ही सोशल मीडिया पर एग्जिट पोल और सर्वे प्रसारित किए जाने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सर्वे फर्जी थे और दिल्ली तथा लखनऊ से संचालित किए जा रहे थे। उनका कहना था कि इस तरह के सर्वे के जरिए मतदाताओं और जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया गया।

अजय आलोक ने आरोप लगाया, 'मतदान के दिन जन सुराज के कार्यकर्ताओं ने कई बूथों पर जाकर माहौल खराब करने की कोशिश की। देर रात तक कुछ इलाकों में हंगामे की स्थिति बनी रही और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव में धनबल का इस्तेमाल किया गया और बड़ी संख्या में गाड़ियों के साथ विभिन्न बूथों पर भ्रमण किया गया।

राजद, कांग्रेस, वाम दलों का समर्थन जनसुराज को मिला- अजय आलोकः भाजपा ने आरोप लगाया कि इस चुनाव में राजद, कांग्रेस और वाम दलों का समर्थन जन सुराज को मिला, लेकिन इसके बावजूद भाजपा की जीत तय है। अजय आलोक ने कहा कि विपक्ष ने नया राजनीतिक प्रयोग करने की कोशिश की, लेकिन जनता ने उसे स्वीकार नहीं किया। प्रेसवार्ता के दौरान अजय आलोक ने प्रशांत किशोर पर कई व्यक्तिगत टिप्पणियां भी कीं। उन्होंने कहा, "3 अगस्त के बाद वे राजनीति से कुकुरमुत्ते की तरह गायब हो जाएंगे।" उन्होंने बिहार की जनता से ऐसे लोगों से सावधान रहने की अपील की।

'तेजस्वी ने दिया गुप्त समर्थन' का दावाः अजय आलोक ने यह भी दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रशांत किशोर को गुप्त समर्थन दिया और अपना वोट बैंक उनके पक्ष में स्थानांतरित कराने की कोशिश की। हालांकि, इस दावे के समर्थन में उन्होंने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि बांकीपुर की जनता ने विकास, स्थिरता और भाजपा की नीतियों पर भरोसा जताया है। पार्टी ने विश्वास व्यक्त किया कि 3 अगस्त को मतगणना के बाद भाजपा उम्मीदवार की जीत की आधिकारिक घोषणा होगी।

पुजारी बनकर संसद पहुंचे पप्पू यादव, राहुल ने दिया चंदा प्रियंका-खड़गे पीछे खड़े, दान के पैसे लेकर भागे सांसद

एजेंसी, पटना

'चंदा चोर-गद्दी छोड़' के लगे नारे

संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में हेराफेरी के मुद्दे को लेकर वो भगवा चोला और साधु के वेश में संसद भवन पहुंचे। पप्पू यादव ने संसद परिसर में बैठकर प्रदर्शन किया। वो दानपेटी भी साथ लेकर पहुंचे थे। संसद परिसर में विरोध के दौरान एक शॉर्ट प्ले किया गया। पुजारी बनकर आए पप्पू यादव ने सांसदों से दान लेना शुरू किया। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी उन्हें पैसे दिए। दान के पैसे पप्पू यादव पेटी में न डालकर अपने पास रख रहे थे। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव अयोध्या सांसद के पैर छूते दिखाई दिए। समाजवादी पार्टी के कई सांसदों ने भी इस प्रदर्शन में भाग लिया और दान देकर अपना समर्थन जताया। इसके बाद दान का पैसा लेकर पप्पू यादव ने भागने का अभिनय किया तो विपक्षी सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया।

पप्पू यादव ने कहा कि देशभर के करोड़ों श्रद्धालु भगवान राम के मंदिर में आस्था के साथ दान देते हैं, इसलिए चढ़ावे से जुड़े किसी भी मामले की पारदर्शी जांच होनी चाहिए। विपक्ष का कहना था कि यह राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी के आरोपों को प्रतीकात्मक रूप से दिखाने का तरीका था। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

कई विपक्षी नेता रहे मौजूदः प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद समेत विपक्ष के कई सांसद मौजूद रहे। सभी नेताओं ने राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े किसी भी मामले में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए।

जेल से रिहा होने के बाद दुल्हिन बाजार पहुंचे विधायक

एजेंसी, पटना

भाकपा माले के पालीगंज विधायक संदीप सौरव ने कहा कि छात्र-नौजवानों के शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी अगस्त माह से पूरे बिहार में "अगस्त आंदोलन" शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि राज्यभर में शिक्षा और रोजगार के सवाल पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शुक्रवार को पटना के बेउर जेल से रिहा होने के बाद विधायक संदीप सौरव अपने विधानसभा क्षेत्र के दुल्हिन बाजार पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने पुष्पवर्षा की, नारे लगाए और मिठाइयां बांटीं।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सरकार को लगा था कि उनकी गिरफ्तारी से छात्रों का आंदोलन कमजोर पड़ जाएगा, लेकिन दमन के बावजूद छात्र बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरकर अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। उन्होंने दावा किया कि छात्रों के दबाव के कारण सरकार को झुकना पड़ा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने इसे छात्रों की जीत बताया। जेल में बिताए समय का जिक्र करते हुए संदीप सौरव ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन जेलों में भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं में सुधार की जरूरत है।

बिजली तार जला, आपूर्ति बाधित हाथीदह पश्चिमी क्षेत्र प्रभावित

एजेंसी, पटना

मोकामा प्रखंड के हाथीदह विद्युत उपकेंद्र के दरियापुर में बिजली आपूर्ति करने वाले तार जलने से हाथीदह पश्चिमी के इलाकों में देर शाम से बिजली बाधित हो गई। इस घटना के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद दरियापुर चौक के समीप विद्युत परिसंचरण तार में आग लग गई थी। बाटा, दरियापुर और औंटा सहित निचले इलाकों में बिजली न होने से पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया और लोगों के दैनिक कार्य रुक गए।

बिजली विभाग के कनीय अभियंता तरुण कुमार ने बताया कि दरियापुर में बारिश के बाद आग लगने से तार जल गया था। उन्होंने जानकारी दी कि सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारी मरम्मत कार्य में जुट गए थे और आधे घंटे के भीतर बिजली बहाल करने का आश्वासन दिया।

औंटा गांव के स्थानीय निवासी कुंदन कुमार ने बताया कि देर शाम 6:15 बजे से बिजली नहीं थी। दरियापुर निवासी नितीश ने बताया कि देर शाम एक पोल के समीप जोरदार चिंगारी निकली और आवाज के साथ तार में आग लग गई। ग्रामीणों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचित किया, जिसके बाद मरम्मत कार्य शुरू किया गया। बिजली विभाग के प्रयासों के बाद, शाम 7:40 बजे तक क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई।

शिक्षकों की ट्रांसफर प्रक्रिया शुरू, 2 दिन में 22,591 आवेदन, बिहार में 5.80 लाख टीचर्स को फायदा

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने राज्य के शिक्षकों के ट्रांसफर और समायोजन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 के तहत 29 जुलाई से ऑनलाइन पोर्टल खोला गया है। इसका मकसद उन स्कूलों में शिक्षकों को भेजना है, जहां उनकी कमी है और जिन स्कूलों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक हैं, वहां से उनका समायोजन करना है। शिक्षा मंत्री ने कहा, किसी भी शिक्षक का जबरन ट्रांसफर नहीं होगा। केवल वही शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया में शामिल होंगे, जो अपनी इच्छा से आवेदन करेंगे। सरकार हर दो दिन पर पूरी प्रक्रिया की समीक्षा भी करेगी।

2 दिन में 22 हजार से ज्यादा शिक्षक जुड़ेः शिक्षा मंत्री ने बताया, पोर्टल खुलने के बाद पहले दो दिनों में 14,796 शिक्षकों ने ऑनलाइन आवेदन जमा कर दिया है। वहीं 7,795 शिक्षकों ने आवेदन भरकर सेव किया है, लेकिन अभी उसे अंतिम रूप से जमा नहीं किया है। इस तरह कुल 22,591 शिक्षक इस प्रक्रिया से जुड़ चुके हैं। इसके अलावा आपसी सहमति से होने वाले म्युचुअल ट्रांसफर के लिए भी दो दिनों में 2,142 शिक्षकों ने आवेदन किया है।

5.80 लाख शिक्षकों को मिलेगा फायदाः मंत्री ने कहा कि इस नई व्यवस्था का फायदा राज्य के करीब 5 लाख 80 हजार शिक्षकों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि कई स्कूलों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक हैं, जबकि कई स्कूल ऐसे हैं जहां पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। इसी असमानता को दूर करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है।

❐ 30 पसंद के स्कूल चुन सकते, 3 जिलों में शिक्षकों की कमी

कहां कितने शिक्षक ज्यादा हैंः शिक्षा विभाग के अनुसार, प्राथमिक स्कूलों (क्लास- 1 से 5) में 65,413 शिक्षक जरूरत से ज्यादा हैं। क्लास- 9 और 10 में करीब 16,400 और क्लास- 11 व 12 में लगभग 14,500 शिक्षक अधिक हैं। पूरे राज्य में ऐसे 1,06,788 अधिशेष शिक्षक हैं, जिनका समायोजन किया जाएगा। सरकार का नियम है कि 30 छात्रों पर एक शिक्षक होना चाहिए।

एसपी की 'वायरल ऑडियो पर सख्त कार्रवाई' की छवि के बीच बंजरिया थाना प्रकरण बना अपवाद?

7 लाख की कथित मांग वाले वायरल ऑडियो से लेकर डीएसपी की प्रतिकूल टिप्पणी तक, दर्जनों शिकायतों के बावजूद जांच और प्राथमिकी नहीं; पीड़ितों ने उठाए वरीय अधिकारियों की निष्क्रियता पर सवाल

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारीः पूर्वी चंपारण के बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह पर लगे गंभीर आरोपों के बीच अब सबसे बड़ा सवाल उस कथित वायरल ऑडियो को लेकर खड़ा हो गया है, जिसमें उनके नाम पर कथित रूप से सात लाख रुपये की डील की बात सामने आने का दावा किया जा रहा है। आरोप है कि ऑडियो सार्वजनिक होने और वरीय अधिकारियों तक इसकी जानकारी पहुंचने के बावजूद न तो इसकी विधिवत जांच कराई गई और न ही कथित उगाही करने वाले राजन प्रसाद के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज की गई।

आरोपों के अनुसार, सिंघिया निवासी शमशेर आलम और उनके परिजनों की शिकायत है कि राजन प्रसाद ने बंजरिया थानाध्यक्ष के नाम पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए एक लाख रुपये की मांग की थी।

हालांकि मामला अख़बार मे आते ही मुकदमा दर्ज हो गया, लेकिन उससे पहले एक और झूठी मुकदमा शमशेर के परिजनों पर दर्ज हो गयी।

वहीं बबलू कुमार नामक व्यक्ति ने दावा किया कि उसके और राजन प्रसाद के बीच हुई

बातचीत के ऑडियो में एक अन्य मामले में मदद के नाम पर सात लाख रुपये की मांग की जा रही है। बबलू कुमार का कहना है कि उसने यह ऑडियो सभी संबंधित वरीय अधिकारियों को उपलब्ध कराया, लेकिन आज तक न तो उसकी फॉरेंसिक जांच कराई गई और न ही किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई शुरू हुई।

मामले को और गंभीर बनाती है सदर पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार की पर्यवेक्षण टिप्पणी, जिसमें कथित तौर पर उल्लेख किया गया कि बंजरिया थानाध्यक्ष अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने की नीयत से फर्जी मुकदमे दर्ज करते हैं। आरोप है कि इस प्रतिकूल टिप्पणी के बाद भी शमशेर आलम और उनके परिवार के खिलाफ एक कथित फर्जी जख्म प्रतिवेदन के आधार पर नया मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

इस पूरे विवाद की जांच पुलिस उपमहानिरीक्षक, चंपारण प्रक्षेत्र के निर्देश पर दो अलग-अलग प्रशिक्षु डीएसपी द्वारा कराई गई।

हालांकि शमशेर आलम के परिजनों का आरोप है कि दोनों मौकों पर आरोपी थाना प्रभारी स्वयं जांच अधिकारियों के साथ पहुंचे और घटनाओं को आपराधिक के बजाय सिविल विवाद की दिशा में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। उनका आरोप है कि उनके द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे और उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों, सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य साक्ष्यों की अपेक्षित गंभीरता से जांच नहीं की गई।

पीड़ित परिवार का कहना है कि बंजरिया थाना क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों ने पिछले कई महीनों में थानाध्यक्ष के खिलाफ लिखित शिकायतें देकर झूठे मुकदमे दर्ज करने, भयादोहन, पक्षपात और कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, लेकिन किसी भी आवेदन पर न तो समुचित जांच हुई और न ही कोई कार्रवाई।

बताया जाता है कि पूर्व प्रमुख चमन तथा एक मुखिया द्वारा दिए गए अलग-अलग आवेदनों पर भी पुलिस उपमहानिरीक्षक ने जांच का आदेश दिया था। आरोप है कि इन दोनों आवेदनों में गंभीर आरोप लगाए जाने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

एक अन्य आरोप यह भी लगाया गया है कि एक कथित मुकदमे से बचाने के आश्वासन के बदले वर्तमान प्रमुख से उनके लेटरपैड पर थानाध्यक्ष के पक्ष में प्रशंसात्मक पत्र लिखवाकर वरीय अधिकारियों को भेजा गया। इसी प्रकार कुछ मुखियाओं से भी समर्थन पत्र लिखवाकर अपनी छवि बेहतर बनाने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष होनी है तो सभी पीड़ितों, शिकायतकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के बयान दर्ज किए जाएं तथा वायरल ऑडियो की वैज्ञानिक जांच कराई जाए।

उनका आरोप है कि लगातार शिकायतें, वायरल ऑडियो, पर्यवेक्षण टिप्पणी और जांच आदेशों के बावजूद कार्रवाई नहीं होना कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

उल्लेखनीय है कि मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात अन्य मामलों में वायरल ऑडियो पर त्वरित और सख्त कार्रवाई के लिए जाने जाते हैं।

सीमावर्ती इलाकों में नशा तस्करी पर सख्ती के निर्देश, नियमित छापेमारी कर दोषियों पर करें कठोर कार्रवाई : डीएम

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने मादक पदार्थों के अवैध व्यापार, भंडारण, परिवहन एवं सेवन के विरुद्ध नियमित छापेमारी अभियान चलाकर पकड़े गए लोगों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में पुलिस, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित जिला स्तरीय एनसीओआरडी (NCORD) बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने विशेष रूप से रक्सौल और ढाका अनुमंडल सहित नेपाल सीमा के किलोमीटर जीरो से 15 किलोमीटर तक के संवेदनशील क्षेत्रों में संयुक्त छापेमारी अभियान नियमित चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती रेलवे स्टेशनों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जाए तथा रोको-टोको अभियान को और तेज किया जाए। उक्त बैठक में एसएसबी की 47वीं, 71वीं एवं 20वीं बटालियन के अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक माह में संयुक्त अभियान के दौरान गांजा, स्मैक और चरस की बड़ी खेप बरामद की गई है तथा कई तस्करों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और अंतर-जिला समन्वय को और मजबूत किया जा रहा है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों ने भी कार्रवाई का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सदर अनुमंडल में जुलाई के दौरान 4 किलोग्राम अफीम, 6 हजार प्रतिबंधित इंजेक्शन और 234 ग्राम गांजा जब्त करते हुए आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। ढाका अनुमंडल में 6.50 किलोग्राम अफीम और 100 ग्राम गांजा के साथ पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई, जबकि रक्सौल अनुमंडल में एक माह के दौरान दर्ज 11 मामलों में 29 किलोग्राम गांजा, 150 ग्राम स्मैक और 17 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई।सहायक आयुक्त मद्य निषेध ने बताया कि पिछले एक माह में शराब तस्करी के विरुद्ध अभियान में 87 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 1,244 लीटर विदेशी एवं 16,355 लीटर देसी शराब जब्त की गई, जबकि 36 वाहनों को भी जब्त किया गया। नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में आठ लोगों को भर्ती कराया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि उर्वरक के अवैध व्यापार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। अप्रैल से जुलाई 2026 तक 749 छापेमारी में 26 मामलों में अनियमितता मिली, जिनमें 14 एफआईआर दर्ज कराई गई। पिछले एक माह में चार दुकानों का लाइसेंस रद्द, दो का निलंबित तथा आठ विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिलाधिकारी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में खाद दुकानों के स्टॉक का नियमित सत्यापन कराने के निर्देश भी दिए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और परिवार के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। इससे निपटने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, एसएसबी और सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ लगातार अभियान चलाकर तस्करी और नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा।

नाला निर्माण बना मुसीबत, सालभर से जलमग्न सड़कें; वार्ड 12-13 के लोग बेहाल

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर निगम के वार्ड संख्या 12 और 13 में नाला निर्माण कार्य लोगों के लिए आफत बन गया है। करीब एक वर्ष से क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कें एक से दो फीट तक गंदे पानी में डूबी हैं। इससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मठिया धर्म समाज रोड, मठिया-खुदानगर रोड, मठिया-गोल्डी परेश रोड, मठिया से राजमार्ग जाने वाला मार्ग समेत आधा दर्जन से अधिक सड़कों पर लगातार जलजमाव है। नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने से पूरे इलाके में दुर्गंध फैली हुई है। लोगों को रोज इसी पानी से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। सुबह स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को एक से दो फीट गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इससे उनके जूते, मोजे और स्कूल ड्रेस भीग जाते हैं। अभिभावकों का कहना है कि इससे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जलजमाव के कारण सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं। आए दिन राहगीर फिसलकर घायल हो रहे हैं। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। सड़क और नाले का अंतर नहीं दिखने से हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कभी-कभार पंप या टैंकर से पानी निकाला जाता है, लेकिन एक-दो दिन बाद फिर वही हाल हो जाता है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से नाला निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने, जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने और जलजमाव से प्रभावित सड़कों को तत्काल चालू कराने की मांग की है। चेतावनी दी है कि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी आंदोलन को मजबूर होंगे।

एक नजर में

- वार्ड 12 और 13 की कई सड़कें एक वर्ष से जलमग्न।
- एक से दो फीट गंदे पानी से होकर गुजर रहे लोग।
- स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान।
- फिसलन से आए दिन हो रहे हादसे।
- नगर निगम पर स्थायी समाधान नहीं करने का आरोप।
- जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी।

एसएसबी ने सीमावर्ती गांव में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीणों को दी दवा व सीपीआर की जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ओर से शुक्रवार को सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों के स्वास्थ्य संरक्षण और जनकल्याण के उद्देश्य से बाह्य सीमा चौकी विंध्यवासिनी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत वीवीपी-2, परसा में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर लगाया गया। वाहिनी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में आयोजित शिविर में कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. राजेश कुमार एवं उनकी टीम ने बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ ही सामान्य एवं मौसमी बीमारियों की निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। शिविर के दौरान डॉ. राजेश कुमार ने ग्रामीणों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की सही प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि हृदय गति रुकने या आकस्मिक बेहोशी की स्थिति में समय पर सीपीआर देने से व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। इस दौरान प्राथमिक उपचार और आपदा के समय त्वरित सहायता के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। समापन के अवसर पर चिकित्सकीय दल ने ग्रामीणों से घर और आसपास साफ-सफाई रखने, जलजमाव नहीं होने देने तथा डेंगू, मलेरिया सहित मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए सतर्क रहने की अपील की। साथ ही संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने और दैनिक भोजन में मोटे अनाज (मिलेट्स) को शामिल करने की सलाह देते हुए उनके पोषण और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्व की जानकारी दी।

जनता दरबार में 60 फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

बीएनएम@ मोतिहारी

» भूमि विवाद, अतिक्रमण व राजस्व मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'जनता के दरबार में जिला प्रशासन' कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 60 आवेदकों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीएम (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह ने की। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों ने आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। एडीएम मो. सिबगतुल्लाह ने कहा कि प्राप्त सभी आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों के स्तर से विधिसम्मत एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर समस्याओं का शीघ्र निष्पादन कराया जाएगा। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण एवं राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को कार्रवाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी प्रमाणपत्र से प्रधान लिपिक बनने का आरोप, परीक्षा ड्यूटी में मनमानी और उगाही के खेल से घिरा डीईओ कार्यालय

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारीः पूर्वी चंपारण का जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। परीक्षा ड्यूटी में विभागीय नियमों की कथित अनदेखी, चहेते शिक्षकों की बार-बार प्रतिनियुक्ति, अवैध उगाही, फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर पदोन्नति और स्थापना शाखा में मनमाने बदलाव जैसे आरोपों ने शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इन आरोपों के समर्थन में कई शिकायतें विभाग के वरीय अधिकारियों तक पहुंची हैं, जिनमें उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है।

सबसे गंभीर आरोप डीईओ कार्यालय के प्रधान लिपिक रविकांत पर लगाए गए हैं। वरीय लिपिक लक्ष्मण कुमार ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक तथा क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक (आरडीडीई), तिरहुत को भेजी शिकायत में आरोप लगाया है कि रविकांत ने विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना ही फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर प्रधान लिपिक के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर ली।

शिकायत में कहा गया है कि उनकी सेवा पुस्तिका में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने की गलत प्रविष्टि दर्ज की गई, जबकि वे परीक्षा में सफल नहीं हुए थे। आरोप है कि इस कथित फर्जीवाड़े के कारण कई योग्य वरीय लिपिक पदोन्नति से वंचित रह गए। शिकायतकर्ता ने सेवा पुस्तिका, विभागीय परीक्षा अभिलेख और पदोन्नति प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच कराकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

इसी बीच डीईओ कार्यालय पर डीएलएड परीक्षा सहित विभिन्न परीक्षाओं में विभागीय दिशा-निर्देशों की अनदेखी कर अनुमंडल से बाहर के शिक्षकों को लगातार परीक्षा ड्यूटी देने के आरोप भी लगे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि

कुछ चुनिंदा शिक्षकों को बार-बार प्रतिनियुक्ति देकर विद्यालय जाने से छूट दिलाई जाती है और इसके बदले अवैध वसूली का खेल चलता है।

आरोपों के केंद्र में मो. जहीरुद्दीन और बलिंद्र सिंह जैसे शिक्षकों के नाम भी सामने आए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन दोनों की लगातार विभिन्न परीक्षाओं में प्रतिनियुक्ति की जाती रही है। यह भी आरोप लगाया गया है कि मो. जहीरुद्दीन परीक्षा केंद्र निर्धारण और ड्यूटी प्रबंधन में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं तथा परीक्षा अवधि के दौरान उन्हें अक्सर डीईओ कार्यालय में देखा जाता है। इस संबंध में जिलाधिकारी के समक्ष भी लिखित शिकायत दिए जाने का दावा किया गया है।

शिकायत में यह भी आरोप है कि डीईओ राजन कुमार गिरी ने स्थापना शाखा का प्रभार एक वरीय जिला कार्यक्रम पदाधिकारी से हटाकर एक कनिष्ठ पदाधिकारी को सौंप दिया, जिससे प्रतिनियोजन प्रक्रिया पर नियंत्रण स्थापित कर मनचाहे शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा सके।

आरोप है कि 23 जुलाई 2026 को एक ही दिन अलग-अलग कार्यालय आदेश जारी कर डीएलएड परीक्षा में प्रतिनियुक्ति सूची बदली गई और विभागीय नियमों के विपरीत कई शिक्षकों को परीक्षा ड्यूटी दी गई।

मिस्कॉट स्थित मुजीब बालिका प्लस-2 विद्यालय को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि विद्यालय के नियमित शिक्षकों को हटाकर उनकी जगह बाहर के शिक्षकों को लगाया गया, जबकि जिला प्रशासन द्वारा पहले ही पर्याप्त संख्या में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जा चुकी थी। आरोप है कि यह पूरा बदलाव कुछ चहेते लोगों को परीक्षा ड्यूटी का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

शिकायतकर्ताओं ने यह भी मांग की है कि डीईओ कार्यालय की कार्यालय अवधि समाप्त होने के बाद की सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जाए।

उनका दावा है कि शाम के समय कार्यालय में कुछ चुनिंदा शिक्षकों की नियमित मौजूदगी रहती है, जिससे कई तरह की अनियमितताओं और सांठगांठ की आशंका पैदा होती है।

लगातार सामने आ रहे इन आरोपों ने पूर्वी चंपारण के शिक्षा विभाग की पारदर्शिता और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। शिकायतकर्ताओं ने निदेशक, आरडीडीई और राज्य सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर विभागीय तथा कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर मुंशी सिंह महाविद्यालय में 'ग़बन' फिल्म का विशेष प्रदर्शन, साहित्य और सिनेमा पर हुई सार्थक चर्चा

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में स्नातकोत्तर हिंदी विभाग की ओर से महान साहित्यकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर शुक्रवार को उनके चर्चित उपन्यास 'ग़बन' पर आधारित फिल्म का विशेष प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय के स्मार्ट क्लास रूम में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेमचंद के साहित्य, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों से परिचित कराते हुए साहित्य एवं सिनेमा के अंतर्संबंधों को समझाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक ने दीप प्रज्वलित कर एवं मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रेमचंद भारतीय समाज के संवेदनशील चितेरे थे, जिनकी रचनाओं में सामाजिक विषमता, नैतिक संघर्ष, मध्यवर्गीय जीवन और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त चित्रण मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों से साहित्य के माध्यम से सामाजिक चेतना और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया।फिल्म प्रदर्शन से पूर्व आयोजित परिचर्चा में हिंदी विभाग के शिक्षक डॉ. गौरव भारती ने कहा कि 'ग़बन' केवल एक व्यक्ति की नैतिक चूक की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा, उपभोग की आकांक्षा और नैतिक मूल्यों के द्वंद्व को उजागर करने वाली महत्वपूर्ण कृति है। डॉ. शशिकांत यादव ने प्रेमचंद की कथा-दृष्टि, सामाजिक यथार्थ और पात्र-निर्माण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका साहित्य आम आदमी के जीवन और उसकी समस्याओं का जीवंत दस्तावेज है।वहीं डॉ. अवनीश कुमार मिश्र ने साहित्य और सिनेमा के संबंधों पर विचार रखते हुए कहा कि साहित्यिक कृतियों का फिल्मांकन विद्यार्थियों को कथ्य, पात्र और परिवेश को नई दृष्टि से समझने का अवसर देता है। इसके बाद विद्यार्थियों ने 'ग़बन' फिल्म का प्रदर्शन देखा। प्रदर्शन के उपरांत आयोजित परिचर्चा में छात्र-छात्राओं ने कथानक, पात्रों, अभिनय तथा उपन्यास और फिल्म के बीच समानताओं एवं भिन्नताओं पर अपने विचार साझा किए। चर्चा के दौरान प्रेमचंद के सामाजिक और नैतिक प्रश्नों की आज के समय में प्रासंगिकता पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक, हिंदी विभाग के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवनीश कुमार मिश्र ने किया, जबकि डॉ. शशिकांत यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बापूधाम रेलवे स्टेशन पर बाल सहायता समूह की बैठक, बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण पर बनी रणनीति

बीएनएम@ मोतिहारी

बापूधाम रेलवे स्टेशन स्थित स्टेशन अधीक्षक कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को बाल सहायता समूह (चाइल्ड हेल्प ग्रुप) की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य रेलवे स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण, त्वरित सहायता तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। बैठक में रेलवे स्टेशन पर आने वाले बच्चों, लापता एवं असहाय बच्चों की पहचान, मानव तस्करी की रोकथाम, बाल श्रम, बाल विवाह तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सदस्यों ने संकटग्रस्त बच्चों की सूचना मिलने पर संबंधित विभागों द्वारा तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि रेलवे स्टेशन परिसर में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ बच्चों के हितों की रक्षा के लिए संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। अधिकारियों एवं सदस्यों ने बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में रेलवे प्रशासन, जिला बाल संरक्षण इकाई मोतिहारी, चाइल्ड हेल्पलाइन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) तथा बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न कांडों के सात अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में कुल 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध संबंधित कांडों में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, पिपराकोठी थाना कांड संख्या 423/26 (उत्पाद कांड) के एक प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

वहीं पहाड़पुर थाना कांड संख्या 135/26 (एनडीपीएस एक्ट) के एक अभियुक्त को सतगंज नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया।

गड़हिया बाजार थाना क्षेत्र में हत्या कांड संख्या 183/26 के एक नामजद अभियुक्त तथा उत्पाद कांड संख्या 124/26 के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस थाना क्षेत्र से कुल दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है।

इसके अलावा फेनहारा थाना क्षेत्र में 170 बीएनएसएस के तहत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है तथा अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट करने वाले दो शातिर अपराधी गिरफ्तार, चार मोबाइल व नकदी बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी। नगर थाना पुलिस ने यात्रियों को नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट करने वाले गिरोह के दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनों के पास से चार मोबाइल फोन तथा एक मोबाइल कवर में छिपाकर रखे गए 2,000 नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई 2026 की रात नगर थाना क्षेत्र में गश्ती के दौरान कुँवारी देवी चौक से दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से चार मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि मुजफ्फरपुर से मोतिहारी आने के दौरान एक यात्री को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके मोबाइल फोन और नकदी की लूट की थी।

इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 700/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान दिलीप कुमार (साकिन- मंगलापुर, थाना संग्रामपुर) तथा काशी राम (साकिन- रामगढ़वा, थाना मुफस्सिल, जिला पूर्वी चंपारण) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी काशी राम के विरुद्ध पूर्व में भी नगर थाना कांड संख्या 357/11 (नशाखुरानी) दर्ज है, जिससे उसके आपराधिक इतिहास की पुष्टि होती है। यह कार्रवाई नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

ट्रैक्टर चोरी के संदेह में युवक से मारपीट मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर चोरी के संदेह में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 27 मार्च 2026 को ट्रैक्टर चोरी के संदेह में एक युवक को रोककर बिजली के पोल और ट्रैक्टर से बांध दिया गया। इसके बाद लाठी-डंडा, लोहे की रॉड और क्रिकेट बैट से उसकी पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़ित के आवेदन पर 11 नामजद और 10–12 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुफस्सिल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विवेक कुमार, राजेन्द्र कुमार, संजीव कुमार, बंटी कुमार और कामेश्वर मुरलिया को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी हरकेना गांव, थाना मुफस्सिल, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में फरार अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है तथा अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है।

पूर्वी चंपारण पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 215.48 लीटर शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार, 439 टेट्रा पैक जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 215.48 लीटर अवैध शराब बरामद की गई तथा चार शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मधुबन थाना क्षेत्र के कृष्णानगर गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर रणवीर यादव एवं पिंटू सिंह को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 439 टेट्रा पैक (कुल 79 लीटर) अंग्रेजी शराब बरामद की गई। वहीं रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मंजूराहा गांव में छापेमारी के दौरान संजू सहनी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 28.98 लीटर अंग्रेजी शराब, 43.5 लीटर नेपाली शराब तथा 50 लीटर देसी चुलाई शराब, कुल 122.48 लीटर शराब बरामद की गई। इसके अलावा मधुबन थाना क्षेत्र के चेचवा पाठक टोला में मोटरसाइकिल से शराब की तस्करी कर रहे युगल राय को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 14 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पटना हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

ध्वनि प्रदूषण पर आदेशों के पालन में नाकामी पर जताई नाराजगी

बीएनएम@ पटना। पटना हाईकोर्ट ने राजधानी पटना में ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए कोर्ट आदेशों के पालन में असफल रहने पर पुलिस अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। याचिकाकर्ता सुरेंद्र प्रसाद याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस राजीव रॉय ने स्थानीय पुलिस स्टेशनों द्वारा दायर असंतोषजनक कार्रवाईयों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की।वरिष्ठ अधिवक्ता अजय इस मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में उपस्थित हुए, जबकि सरकारी वकील प्रशांत प्रताप ने राज्य का पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान अदालत ने बुद्धा कॉलोनी, पोठिया (कटिहार) और राजीव नगर के थाना प्रभारियों (SHO) द्वारा प्रस्तुत हलफनामों में बड़ी खामियों की ओर इशारा किया। पोठिया (कटिहार) के थाना प्रभारी व्यक्तिगत रूप से कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए। हालांकि राज्य के वकील प्रशांत प्रताप ने पीठ को आश्वासन दिया कि पोठिया के थाना प्रभारी अदालत के आदेशों का सौ प्रतिशत पालन करेंगे, फिर भी कोर्ट ने अधिकारी को सभी मैरिज हॉलों से लिखित वचनबद्धता लेने और ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने बुद्धा कॉलोनी थाना प्रभारी द्वारा दायर हलफनामे पर गहरा असंतोष व्यक्त किया और नोट किया कि उनके अधिकार क्षेत्र के सभी मैरिज हॉलों से अंडरटेकिंग नहीं ली गई थी। कोर्ट रूम में मौजूद अधिवक्ताओं द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद पीठ ने हॉस्पिटो इंडिया रोड के पास की स्थिति को रेखांकित किया, जहां बाइकर्स मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करके गंभीर ध्वनि प्रदूषण फैला रहे हैं। पुलिस अधिकारियों को ध्वनि नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू करने और सभी आयोजन स्थलों से अनिवार्य अंडरटेकिंग लेने का निर्देश देते हुए पटना हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद निर्धारित की गई है।

जिला स्तरीय चंपारण चैम्पियन कैरम-शतरंज प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं का हुआ सम्मान

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला खेल भवन, मोतिहारी में शुक्रवार को जिला स्तरीय चंपारण चैम्पियन कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला खेल पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से किया। इसमें जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ियों ने भाग लिया और कैरम व शतरंज के मुकाबलों में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमारी गिरी ने चयनित खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले शारीरिक शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में अरविंद कुमार एवं भानु प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रमुख विजेताओं में कैरम (9-12 वर्ष) वर्ग में संदीप कुमार, राजा बाबू (डबल्स) एवं रॉकी कुमार, शतरंज प्रतियोगिता में मो. अरशद (तुरकौलिया) एवं संजीव कुमार (केसरिया), जबकि बालिका वर्ग में रिया कुमारी (केसरिया) एवं अमृता कुमारी विजेता रहीं। इस अवसर पर एपीओ सर्व शिक्षा अभियान दिलीप कुमार, मीडिया प्रभारी शकील अहमद, खेल भवन के रमेश कुमार, तकनीकी पदाधिकारी राजीव कुमार, सुनील कुमार, शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, अमित कश्यप, अरुण गुप्ता, रवि कुमार सिंह, अंशु यादव, अमरनाथ साहनी, रश्मि कुमारी, परवेज आलम, संजय कुमार सिंह, सर्वोत्तम रंजन, मनोज कुमार प्रसाद, मनीष कुमार उपाध्याय, खुशबू कुमारी एवं रानी कुमारी सहित बड़ी संख्या में खेल पदाधिकारी, प्रशिक्षक, शिक्षक, अभिभावक और खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, कैरम एवं शतरंज जैसे बौद्धिक खेलों को बढ़ावा देना तथा चयनित खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

विश्व मानव तस्करी दिवस पर मोतिहारी पुलिस सम्मानित, ‘ऑपरेशन नया सवेरा 3.0’ में बिहार में दूसरा स्थान

बीएनएम@ मोतिहारी

विश्व मानव तस्करी दिवस के अवसर पर मोतिहारी पुलिस को मानव तस्करी के खिलाफ उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) मोतिहारी द्वारा संचालित ‘ऑपरेशन नया सवेरा 3.0’ के तहत ऑर्केस्ट्रा में फंसी एक नाबालिग लड़की को मुक्त कराया गया। इस अभियान में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर मोतिहारी जिला पूरे बिहार में द्वितीय स्थान पर रहा। इस उपलब्धि के लिए विश्व मानव तस्करी दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में माननीय अपर पुलिस महानिदेशक (कमजोर वर्ग) द्वारा पुलिस अधीक्षक मोतिहारी, एएचटीयू प्रभारी सर्वेंद्र कुमार सिन्हा तथा पु.अ.नि. नवल किशोर को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मोतिहारी पुलिस ने इस उपलब्धि को मानव तस्करी के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे प्रभावी अभियान, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों के सुरक्षित पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। पुलिस ने आमजन से भी मानव तस्करी से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

शराब के नशे में पत्नी-बच्चों से मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

बीएनएम@ हरसिद्धि

शराब के सेवन के बाद हंगामा करने तथा पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट करने के आरोप में हरसिद्धि थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए न्यायालय भेज दिया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गडडूपुर वार्ड संख्या-13 निवासी धर्मेंद्र कुमार सिंह, पिता स्व. रुदल सिंह, के विरुद्ध उसके पुत्र द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर हरसिद्धि थाना कांड संख्या 386/26, दिनांक 30 जुलाई 2026 दर्ज किया गया। आवेदन में आरोपी पर शराब के नशे में हंगामा करने तथा अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया गया था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था भंग करने तथा घरेलू हिंसा जैसे मामलों में हरसिद्धि पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया है।

श्रावणी मेला की तैयारियों का एसडीओ ने लिया जायजा, दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम@ अरेराज

अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज सुश्री अंजली शर्मा ने शुक्रवार की संध्या 31 जुलाई 2026 को सोमेश्वरनाथ मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रावणी मेला में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति की जांच की तथा सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। एसडीओ ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। प्रशासन द्वारा मेले के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

प्रधानाध्यापक पर अभद्र व्यवहार का आरोप, मध्याह्न भोजन में लापरवाही की शिकायत

छात्र-छात्राओं ने BRCC कार्यालय से लगाई गुहार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बीएनएम@ योगापट्टी (पश्चिम चंपारण)

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, योगापट्टी के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक ब्रिजकिशोर राम के खिलाफ स्थानीय BRCC कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। वीडियो सोशल मीडिया का वायरल छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया कि प्रधानाध्यापक द्वारा उनके साथ अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा, मध्याह्न भोजन तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी गंभीर समस्याएं हैं। छात्रों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की। छात्र-छात्राओं का कहना है कि विद्यालय में कंप्यूटर उपलब्ध होने के बावजूद नियमित रूप से कंप्यूटर की कक्षाएं संचालित नहीं की जाती हैं। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय में मिलने वाला मध्याह्न भोजन (एमडीएम) समय पर नहीं दिया जाता। उनके अनुसार कई बार भोजन काफी देर से मिलता है, जिससे पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को भी परेशानी होती है। इसके अलावा छात्र-छात्राओं का आरोप है कि जब वे अपनी समस्याओं को प्रधानाध्यापक के समक्ष रखते हैं, तो उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। इन सभी शिकायतों को लेकर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं स्थानीय BRCC कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक रूप से अपनी समस्याओं से अवगत कराया। वहीं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने छात्रों की शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं प्रधानाचार्य से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने पर संपर्क नहीं हो पाया जिससे उनकी प्रतिक्रिया नहीं ले पाया गया वही प्रातः आवाज पेपर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है

पटना में सफाई व्यवस्था ठप, 4800 से अधिक सफाईकर्मी बेमियादी हड़ताल पर

बीएनएम@ पटना

पटना नगर निगम समेत बिहार के विभिन्न शहरी निकायों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। दैनिक वेतनभोगी और आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाईकर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण राजधानी में जगह-जगह कचरे के ढेर लगने लगे हैं। घर-घर कचरा संग्रहण, सड़क सफाई और कचरा परिवहन का काम पूरी तरह ठप पड़ गया है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के दूसरे दिन भी शहर के सभी छह अंचल कार्यालयों और यार्डों में कर्मचारियों ने प्रदर्शन जारी रखा। आउटसोर्सिंग पर कार्यरत 4800 से अधिक ड्राइवर और सफाईकर्मी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन पर डटे हैं। गुरुवार दोपहर नगर निगम मुख्यालय मौर्य लोक के सामने बड़ी सभा आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। सफाईकर्मियों का कहना है कि उनकी कई लंबित मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उनकी प्रमुख मांगों में सभी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी करना, नियमित कर्मचारियों के समान वेतनमान लागू करना, आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त कर कर्मियों का सीधे नगर निगम में समायोजन करना, आउटसोर्सिंग के नाम पर होने वाली कथित अनियमितताओं पर रोक लगाना तथा नगर विकास विभाग द्वारा एसीपी (ACP) और एमएसीपी (MACP) पर लगाई गई रोक हटाना शामिल है। हड़ताल का सबसे अधिक असर शहर की सफाई व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। सड़कों, बाजारों और आवासीय इलाकों में कचरा जमा होने लगा है। घर-घर कचरा उठाने वाले वाहन, ई-रिक्शा और बड़े कचरा परिवहन वाहन भी नहीं चल रहे हैं।

50 हजार रुपये रिश्वत लेते औरंगाबाद के पुलिस अवर निरीक्षक गिरफ्तार, निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम@ पटना/औरंगाबाद

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस), बिहार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) उमेश कुमार को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ब्यूरो की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, परिवादी लक्ष्मण राम ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पुत्र एवं भतीजे के विरुद्ध दर्ज एक कांड से नाम हटाने के एवज में एसआई उमेश कुमार 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद निगरानी थाना कांड संख्या 91/26 दर्ज किया गया। इसके बाद विशेष टीम ने 31 जुलाई 2026 को औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र में पंचायत भवन के सामने सड़क पर जाल बिछाकर एसआई उमेश कुमार को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के बाद निगरानी के विशेष न्यायालय, पटना में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई एवं अनुसंधान जारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बताया कि वर्ष 2026 में यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध दर्ज 91वां मामला है। अब तक ट्रैप की 84 कार्रवाइयों में 83 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा 30,13,800 रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई है।

पटना में 9 अगस्त को होगा सीईसी का 17वां स्थापना वर्ष समारोह, उत्कृष्ट शिक्षकों व संस्थानों का होगा सम्मान

बीएनएम@ पटना

कंप्यूटर एजुकेशन काउंसिल (सीईसी) एवं सीईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तत्वावधान में 17वें स्थापना वर्ष समारोह के अवसर पर “उत्कृष्टता सम्मान समारोह एवं शिक्षा जागरूकता-2026” का आयोजन 9 अगस्त 2026 (रविवार) को पटना में किया जाएगा। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों, अध्ययन केंद्र संचालकों, लाइब्रेरी संचालकों तथा शिक्षा से जुड़े अन्य प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षाविदों और संस्थानों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना है। इस अवसर पर चयनित प्रतिभागियों को “सीईसी एक्सीलेंस अवार्ड” प्रदान किया जाएगा। समारोह में शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम, 17वें स्थापना वर्ष का उत्सव, स्मृति सम्मान, समूह छायांकन (ग्रुप फोटोग्राफी) के साथ-साथ स्नेह मिलन एवं जलपान का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि यह कार्यक्रम शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान और बेहतर समन्वय का प्रभावी मंच बनेगा।

कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक कासा पिक्कोला (Casa Piccola), पांचवीं मंजिल, फ्रेजर रोड, दूरदर्शन कार्यालय के सामने, पटना में आयोजित होगा।

समारोह में भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है। इच्छुक प्रतिभागियों को सूचना प्रपत्र भरकर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजना होगा, जिसके बाद उन्हें आमंत्रण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण के लिए 92644 96183 एवं 93087 46626 पर संपर्क किया जा सकता है।

संस्थान के सचिव डॉ. अजय प्रकाश कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसकी जानकारी संस्थान के परमानंद प्रसाद ने दी। उन्होंने शिक्षा जगत से जुड़े सभी शिक्षकों, अध्ययन केंद्र संचालकों, लाइब्रेरी संचालकों एवं शुभचिंतकों से सपरिवार समारोह में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की।

सपने में अपनी शादी देखना शुभ है या अशुभ?

रात में देखे गए सपनों को लेकर लोगों के मन में हमेशा जिज्ञासा रहती है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि हर सपना किसी न किसी संकेत या संदेश से जुड़ा होता है। कुछ सपने व्यक्ति की मानसिक स्थिति को दर्शाते हैं, जबकि कुछ भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत माने जाते हैं। ऐसा ही एक सपना है खुद की शादी होते हुए देखना, जिसे लेकर अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि यह शुभ है या अशुभ।' स्वप्न शास्त्र के अनुसार यदि कोई अविवाहित युवक या युवती स्वयं को विवाह मंडप में देखता है, तो यह जीवन में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत हो सकता है। यह सपना नई जिम्मेदारियों, करियर में प्रगति, शिक्षा में सफलता या किसी महत्वपूर्ण अवसर के मिलने की ओर इशारा करता है। कई विद्वान इसे जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक भी मानते हैं। दूसरी ओर, यदि विवाहित व्यक्ति अपने ही विवाह का सपना देखता है, तो इसे आत्ममंथन और जीवन में चल रही उलझनों का संकेत माना जाता है। यह सपना यह भी दर्शा सकता है कि व्यक्ति अपने रिश्तों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर मानसिक दबाव महसूस कर रहा है। यदि सपने में शादी का वातावरण आनंद, संगीत और उत्सव से भरा हो, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर-परिवार में खुशियां, शुभ समाचार या आर्थिक उन्नति के योग बन सकते हैं। वहीं, यदि विवाह के दौरान झगड़ा, रोना, बाधा या उदासी दिखाई दे, तो इसे आने वाली चुनौतियों के प्रति सतर्क रहने का संकेत माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सपने का अर्थ व्यक्ति की वर्तमान परिस्थितियों, मनःस्थिति और सपने में दिखाई देने वाले अन्य दृश्यों पर भी निर्भर करता है। इसलिए किसी एक सपने के आधार पर निष्कर्ष निकालने या भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है।

नोटः यह जानकारी स्वप्न शास्त्र और पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं पर आधारित है। इसका उद्देश्य केवल सामान्य जानकारी प्रदान करना है। इसे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित भविष्यवाणी नहीं माना जाना चाहिए।

इस्तीफा तो हो गया लेकिन क्या छात्रों को न्याय मिला? व्यवस्था बदले बिना अधूरा रहेगा पेपर लीक के खिलाफ संघर्ष

कांतिलाल मांडोत

कई दिनों के धरना-प्रदर्शन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पहली नजर में इसे आंदोलन की बड़ी जीत और लोकतंत्र की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न वही है, जो हर छात्र और अभिभावक के मन में है—क्या शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो गया? क्या इससे पेपर लीक की समस्या समाप्त हो जाएगी? क्या प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता लौट आएगी? क्या लाखों विद्यार्थियों की मेहनत अब बिना किसी भय के रंग लाएगी? इन सभी सवालों का उत्तर फिलहाल नकारात्मक दिखाई देता है। यही कारण है कि आंदोलन की सफलता का मूल्यांकन केवल एक मंत्री के इस्तीफे से नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था में आने वाले वास्तविक सुधारों से किया जाना चाहिए।

सबसे पहले उस बात का उल्लेख आवश्यक है जो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद आंदोलन का नेतृत्व करने वाले अभिजीत दीपके ने मंच से कहा कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। उन्होंने इसे अपनी और लोकतंत्र की जीत बताया। निस्संदेह किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की आवाज सुनना सरकार की जिम्मेदारी होती है और यदि सरकार ने छात्रों के दबाव के बाद निर्णय लिया है तो यह लोकतंत्र की मजबूती का संकेत माना जा सकता है। लेकिन यहां यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि दीपके की राजनीतिक या आंदोलनकारी जीत अपनी जगह हो सकती है, परंतु उस छात्र को इससे क्या मिला जिसकी एक वर्ष की मेहनत पेपर लीक के कारण बर्बाद हो गई? जो विद्यार्थी मानसिक तनाव में आ गया, जिसने दोबारा परीक्षा दी, जिसने आर्थिक और भावनात्मक कठिनाइयों का सामना किया, उसके जीवन में अभी तक कोई ठोस परिवर्तन दिखाई नहीं देता। इसलिए केवल सुर्खियों में आने या आंदोलन की सफलता का दावा करने से छात्रों की वास्तविक समस्याएं समाप्त नहीं हो जातीं। धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे के बाद जारी पत्र में कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार की थी और उनका उद्देश्य किसी भी मेधावी छात्र का भविष्य परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देना था। उन्होंने यह भी कहा कि देश की युवा शक्ति उनके लिए सर्वोपरि है और राष्ट्रहित तथा छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पद छोड़ा। यह एक जिम्मेदार राजनीतिक संदेश है। इसी तरह सरकार ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की, मुकदमे वापस लेने की बात कही, पीड़ित छात्रों के लिए मुआवजे की घोषणा की और शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर चर्चा का भरोसा दिया। हिंसा और तनाव के बावजूद सरकार ने अंततः संवाद का रास्ता चुना। यह किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की संवेदनशीलता का परिचायक माना जा सकता है। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि किसी मंत्री का इस्तीफा स्वयं में समाधान नहीं होता। पेपर लीक जैसी घटनाएं किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं बल्कि पूरे तंत्र की कमजोरी का परिणाम होती हैं। यदि व्यवस्था में खामियां बनी रहेंगी तो नया मंत्री भी उन्हीं चुनौतियों का सामना करेगा। छात्रों को मंत्री बदलने से नहीं बल्कि व्यवस्था बदलने से लाभ मिलेगा। आज देश के करोड़ों विद्यार्थी एक ही प्रश्न पूछ रहे हैं कि क्या अब पेपर लीक पूरी तरह बंद हो जाएगा? दुर्भाग्य से इसका उत्तर इतना आसान नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं और संगठित नकल गिरोहों के सक्रिय होने की घटनाएं सामने आई हैं। इसका अर्थ है कि यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि संगठित अपराध का रूप ले चुका है। ऐसे नेटवर्क में छोटे-छोटे एजेंटों से लेकर आर्थिक लाभ उठाने वाले बड़े मास्टरमाइंड तक शामिल होते हैं। कार्रवाई अक्सर निचले स्तर तक सीमित रह जाती है जबकि पूरे षड्यंत्र को संचालित करने वाले लोग बच निकलते हैं। जब तक इन मास्टरमाइंड तक कानून की पहुंच नहीं होगी, तब तक छात्रों का विश्वास पूरी तरह बहाल नहीं हो सकता। सरकार ने पेपर लीक से जुड़े अपराधों के लिए दस वर्ष तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया है। यह निश्चित रूप से स्वागत योग्य कदम है। कठोर कानून अपराधियों के मन में भय पैदा कर सकते हैं। लेकिन केवल कानून बना देने से न्याय नहीं मिलता। न्याय तब मिलता है जब अपराध की निष्पक्ष जांच हो, असली दोषियों की पहचान हो और समयबद्ध तरीके से उन्हें सजा मिले। यदि जांच केवल छोटे आरोपियों तक सीमित रह गई तो कठोर कानून भी अपनी प्रभावशीलता खो देंगे।

यही कारण है कि जांच एजेंसियों को केवल गिरफ्तारियां करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि पूरे नेटवर्क की आर्थिक, डिजिटल और तकनीकी जांच करनी चाहिए। जिन लोगों पर गंभीर आरोप हों, उनके बैंक खातों, संपत्तियों, कॉल रिकॉर्ड, डिजिटल लेन-देन और आपराधिक नेटवर्क की गहन पड़ताल होनी चाहिए। वैज्ञानिक जांच की उपलब्ध कानूनी प्रक्रियाओं का उपयोग भी आवश्यक परिस्थितियों में किया जा सकता है, ताकि वास्तविक साजिशकर्ताओं तक पहुंचना संभव हो। उद्देश्य केवल गिरफ्तारियां दिखाना नहीं बल्कि पूरे माफिया तंत्र को समाप्त करना होना चाहिए। इस पूरे विवाद में कोचिंग संस्थानों की भूमिका पर भी गंभीर चर्चा आवश्यक है। यह सत्य है कि देश के अधिकांश कोचिंग संस्थान ईमानदारी से छात्रों को शिक्षा देते हैं, लेकिन यदि कोई संस्था पेपर लीक या परीक्षा माफिया से जुड़ी पाई जाती है तो उसके खिलाफ केवल मुकदमा दर्ज करना पर्याप्त नहीं होगा। उसकी मान्यता समाप्त की जानी चाहिए, उसकी वित्तीय गतिविधियों की जांच होनी चाहिए और यदि अपराध सिद्ध हो तो उसे शिक्षा क्षेत्र से स्थायी रूप से बाहर किया जाना चाहिए। शिक्षा विश्वास का क्षेत्र है, इसे अवैध कमाई का माध्यम बनाने वालों के प्रति कठोरता आवश्यक है। कई लोग ऐसे मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या यूएपीए जैसे कठोर कानून लागू करने की मांग भी कर रहे हैं। इन कानूनों का प्रयोग अपने-अपने कानूनी दायरे में ही किया जा सकता है और उनका उपयोग तथ्यों तथा कानून के अनुरूप ही होना चाहिए। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि यदि कोई संगठित गिरोह करोड़ों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है तो उसके विरुद्ध उपलब्ध सभी प्रभावी कानूनी प्रावधानों का कठोरता से उपयोग होना चाहिए। परीक्षा माफिया को सामान्य आर्थिक अपराधी मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। इससे मुकदमों के शीघ्र निपटारे की संभावना बढ़ेगी। लेकिन यदि जांच कमजोर होगी तो फास्ट ट्रैक कोर्ट भी सीमित साक्ष्यों के आधार पर ही फैसला देगा। इसलिए तेज अदालतों के साथ मजबूत जांच व्यवस्था और आधुनिक फोरेंसिक तंत्र भी उतना ही आवश्यक है। न्याय केवल जल्दी नहीं बल्कि सही भी होना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम के बीच छात्रों के मन में एक और उम्मीद है कि क्या भविष्य में वर्ष में दो बार नीट परीक्षा आयोजित होगी। यदि ऐसा होता है तो एक परीक्षा खराब होने पर विद्यार्थियों का पूरा वर्ष बर्बाद नहीं होगा। यह सुधार निश्चित रूप से छात्रों के हित में माना जा सकता है। लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक यह है कि परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी हो। यदि वर्ष में दो बार परीक्षा होगी लेकिन दोनों बार पेपर लीक का खतरा रहेगा तो इसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। आज आवश्यकता शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की है। प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया, सुरक्षित मुद्रण, डिजिटल एन्क्रिप्शन, परिवहन व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा प्रणाली, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही और समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया—इन सभी क्षेत्रों में एक साथ सुधार करना होगा। केवल मंत्री बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था बदलने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता तीनों की आवश्यकता होती है। इस पूरे आंदोलन से सरकार को भी एक महत्वपूर्ण संदेश मिला है कि आज का युवा केवल आश्वासन नहीं बल्कि परिणाम चाहता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी कहा कि आज की पीढ़ी हर बात का कारण जानना चाहती है और सरकार को युवाओं से संवाद करना चाहिए। यह सलाह केवल सरकार के लिए ही नहीं बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के लिए भी प्रासंगिक है। विद्यार्थियों का विश्वास तभी लौटेगा जब उन्हें लगेगा कि उनकी मेहनत किसी माफिया या भ्रष्ट तंत्र की भेंट नहीं चढ़ेगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक महत्वपूर्ण उदाहरण हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान मान लेना भूल होगी। छात्रों की वास्तविक जीत उस दिन होगी जब किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा, किसी अभ्यर्थी को दोबारा परीक्षा देने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा, किसी परिवार का सपना भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ेगा और किसी विद्यार्थी को यह डर नहीं रहेगा कि उसकी मेहनत से अधिक कीमत किसी माफिया की पहुंच की है। इसलिए आज आवश्यकता किसी व्यक्ति के परिवर्तन की नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन की है। तभी कहा जा सकेगा कि इस संघर्ष का सबसे बड़ा विजेता कोई नेता या आंदोलनकारी नहीं, बल्कि देश का मेहनती विद्यार्थी बना। (वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन की सरकार के वादा खिलाफी से छात्र असंतुष्ट हैं ?

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां असहमति व्यक्त करने का अधिकार संविधान द्वारा संरक्षित है। जब समाज का कोई वर्ग अपनी समस्याओं को लेकर संगठित होकर आवाज उठाता है, तो उसे लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया माना जाता है। हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों द्वारा किया गया आंदोलन और 20 जुलाई 2026 के संसद चलो कार्यक्रम ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। परीक्षा प्रणाली, भर्ती प्रक्रिया और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर हजारों युवाओं की भागीदारी ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या आज का छात्र पहले की तुलना में अधिक निर्भीक होकर सरकार के सामने अपनी बात रख रहा है। आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी, सरकार के विरुद्ध लगाए गए तीखे नारे और पुलिस के साथ हुए टकराव ने इस बहस को और गहरा कर दिया। इस आंदोलन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि इसमें केवल किसी एक विश्वविद्यालय या राज्य के छात्र नहीं थे, बल्कि विभिन्न राज्यों के युवा एक साझा मुद्दे पर एक मंच पर दिखाई दिए। जब किसी आंदोलन का आधार व्यापक जनहित का प्रश्न बन जाता है, तब उसका प्रभाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी होता है। यही कारण है कि जंतर-मंतर का यह आंदोलन सामान्य छात्र प्रदर्शनों से अलग दिखाई दिया।

कई विश्लेषकों का मानना है कि इस आंदोलन ने यह संकेत दिया कि नई पीढ़ी केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि वह आवश्यकता पडऩे पर सड़क पर उतरकर भी अपनी बात कहने को तैयार है। यदि यह आकलन सही है, तो यह लोकतांत्रिक भागीदारी का संकेत हो सकता है। लेकिन इसके साथ यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी एक आंदोलन के आधार पर पूरे छात्र समुदाय की मनःस्थिति के बारे में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। भारतीय छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि जब भी युवाओं ने किसी मुद्दे को अपने भविष्य से जोड़ा है, तब उनकी भागीदारी व्यापक हुई है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक, छात्रों ने सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस दिखाया। वर्तमान आंदोलन भी इसी परंपरा की याद दिलाता है, हालांकि इसकी परिस्थितियां अलग हैं। इस आंदोलन के दौरान सरकार की आलोचना खुलकर हुई। कई प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक रूप से सरकार की नीतियों और परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। यह दृश्य उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण था जो मानते हैं कि आज का युवा राजनीतिक रूप से उदासीन हो गया है। इसके विपरीत, आंदोलन ने यह संकेत दिया कि जब भविष्य और अवसरों का प्रश्न सामने आता है, तब छात्र खुलकर अपनी राय रखते हैं। हालांकि यह कहना कि सरकार का डर पूरी तरह खत्म हो गया है, एक व्यापक निष्कर्ष होगा, जिसके समर्थन में पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। किसी आंदोलन में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी यह अवश्य दिखाती है कि अनेक छात्र सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखने के लिए तैयार थे, लेकिन इससे यह सिद्ध नहीं होता कि सभी छात्रों के मन से भय समाप्त हो गया है। अलग-अलग क्षेत्रों, संस्थानों और परिस्थितियों में छात्रों के अनुभव भिन्न हो सकते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई और उसके बाद की घटनाओं पर भी व्यापक चर्चा हुई। कुछ प्रदर्शनकारियों ने अत्यधिक बल प्रयोग के आरोप लगाए, वहीं प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इन घटनाओं के बाद कुछ मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग भी की गई। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की आलोचना करना नागरिक का अधिकार है, लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि विरोध शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में रहे।

इसी प्रकार राज्य की जिम्मेदारी है कि वह शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन लोकतंत्र की परिपक्वता का आधार है। इस आंदोलन का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह भी रहा कि परीक्षा सुधारों पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हुई। व्यापक जनदबाव के बाद सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधारों की घोषणा की, एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स गठित की और संबंधित विधायी कदम भी उठाए। इससे यह संकेत मिलता है कि लोकतांत्रिक आंदोलनों का नीति-निर्माण पर प्रभाव पड़ सकता है। आज का छात्र पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। इंटरनेट, डिजिटल मीडिया और सूचना तक आसान पहुंच ने उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अधिक सचेत बनाया है। यही कारण है कि वह केवल दर्शक बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने की भी कोशिश करता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए सकारात्मक हो सकती है, यदि इसे संवाद और संवैधानिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ाया जाए। जंतर-मंतर का आंदोलन यह अवश्य दर्शाता है कि भारतीय छात्र समुदाय का एक महत्वपूर्ण वर्ग अपनी बात खुलकर रखने को तैयार है। लेकिन यह कहना कि सरकार का डर पूरी तरह समाप्त हो गया है, उपलब्ध तथ्यों से स्थापित निष्कर्ष नहीं है। अधिक संतुलित निष्कर्ष यह होगा कि इस आंदोलन ने अनेक छात्रों में अपनी मांगों को सार्वजनिक रूप से उठाने का आत्मविश्वास प्रदर्शित किया और सरकार तथा समाज दोनों को यह संदेश दिया कि युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि सरकारें आलोचना सुनें, नागरिक शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखें और संवाद के माध्यम से समाधान खोजे जाएं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन ऊर्जा और नए अवसरों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं, लेकिन किसी भी बड़े निवेश से पहले किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। परिवार में किसी शुभ कार्य का आयोजन हो सकता है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृषभ राशिः आज आर्थिक मामलों में थोड़ी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। व्यापार में नए समझौते हो सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे पेंडिंग पड़े काम पूरे होंगे। पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहेगी और बच्चों की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

मिथुन राशिः आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मौका मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को अचानक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और तनाव दूर होगा। दांपत्य जीवन में छोटी-मोटी गलतफहमियों को बातचीत से हल करने का प्रयास करें, इससे रिश्ते और मजबूत होंगे।

कर्क राशिः आज अपने भावुक स्वभाव पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। ऑफिस में काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से सभी काम समय पर निपटा लिए जाएंगे। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें और बिना सोचे-समझे किसी को उधार न दें। परिवार के सदस्यों का समर्थन आपको हर मुश्किल स्थिति से निकलने में मदद करेगा। सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

सिंह राशिः आज आत्मविश्वास सातवें आसमान पर रहेगा। सामाजिक और पेशेवर जीवन में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। बिजनेस में नए पार्टनर्स जुड़ सकते हैं, जिससे भविष्य में बड़े मुनाफे के योग बन रहे हैं। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाएगा। शाम के समय प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्लान बन सकता है, जिससे मन खुश रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने का है। दफ्तर में आपकी कार्यशैली से अधिकारी खुश रहेंगे और पदोन्नति की बात आगे बढ़ सकती है। प्रॉपर्टी या वाहन खरीदने का मन बना रहे हैं तो दिन काफी अनुकूल है। परिवार में कुछ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, इसलिए शांत रहकर बातचीत से मामले को सुलझाएं। जीवनसाथी के साथ संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और एक-दूसरे का पूरा साथ मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाने का रहेगा। बिजनेस में नई रणनीति अपनाना फायदेमंद रहेगा और फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। नौकरी बदलने का विचार कर रहे लोगों को अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। लव पार्टनर के साथ किसी रोमांटिक ट्रिप का प्लान बन सकता है, जिससे दूरियां मिटेंगी।

वृश्चिक राशिः आज अपने करियर को लेकर कोई बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लेना पड़ सकता है। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी और विरोधी भी आपके सामने पस्त रहेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी, जिससे पुरानी चिंताओं से पूरी तरह मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी और छोटे भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा।

धनु राशिः आज का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को असीम शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और मनचाही सफलता आसानी से हासिल होगी। पैसों से जुड़े मामलों में अचानक बड़ा फायदा होने की प्रबल संभावना है।

मकर राशिः आज अपने काम में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी से विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें। आर्थिक रूप से दिन सामान्य रहेगा, सोच-समझकर खर्च करना ही आपके लिए सही रहेगा। परिवार के साथ किसी पारिवारिक मुद्दे पर गंभीर चर्चा हो सकती है।

कुंभ राशिः आज का दिन नए अवसरों से भरा रहेगा। बिजनेस में कोई नई डील फाइनल हो सकती है, जो लंबे समय तक फायदा देगी। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या सैलरी में बढ़ोतरी की अच्छी खबर मिल सकती है। दांपत्य जीवन में मिठास बनी रहेगी और एक-दूसरे का पूरा सहयोग मिलेगा। पुराने दोस्तों से मुलाकात होने से मन में पुरानी यादें ताजा होंगी और मानसिक तनाव दूर होगा।

मीन राशिः आज का दिन बहुत ही फलदायी रहने वाला है। नौकरी में आपके काम का लोहा माना जाएगा और उच्च अधिकारियों से प्रोत्साहन मिलेगा। लंबे समय से रुका हुआ काम अचानक पूरा होने से आपके चेहरे पर मुस्कान लौटेगी। धन लाभ के नए स्रोत खुलेंगे, जिससे आपकी जमा पूंजी में अच्छी बढ़ोतरी होगी।

खाद्य पदार्थों में मिलावट : स्वास्थ्य और समाज पर बढ़ता संकट

सुनील कुमार महला

खाद्य पदार्थों में मिलावट आज एक बहुत ही गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्या बन चुकी है। आज के समय में अधिक लाभ कमाने के लालच में भोजन में हानिकारक एवं निम्न गुणवत्ता वाले पदार्थ मिलाए जा रहे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, हृदय रोग, किडनी की बीमारी तथा अन्य अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिए शुद्ध भोजन केवल उपभोक्ता का अधिकार ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता भी है।

हमारे देश में बढ़ती मिलावट की भयावह स्थितिः- कहना गलत नहीं होगा कि आज हमारे देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट एक विकराल समस्या बन गई है। इससे न केवल शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है, बल्कि लोग अनेक स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से भी जूझ रहे हैं। यह बहुत ही दुखद है कि केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बावजूद मुनाफाखोरी के इस अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के ताजा आँकड़े भी यही संकेत देते हैं कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का बाजार

लगातार फल-फूल रहा है। बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2025–26 में देशभर में पाँच लाख से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दो लाख से अधिक खाद्य नमूने लिए गए, जिनमें से लगभग 40 हजार नमूने गैर-मानक पाए गए। इनमें सबसे अधिक लगभग 20 हजार नमूने उत्तर प्रदेश के थे। हालांकि, अन्य राज्यों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि जब भी खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच होती है, उनमें से बड़ी संख्या में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी खामियाँ सामने आती हैं।

मिलावट के विरूद्ध दुनिया में सबसे कठोर कानूनः- यहां पाठकों को बताता चलूं कि खाद्य मिलावट के मामलों में बांग्लादेश को सबसे कठोर कानून वाले देशों में माना जाता है। वहाँ की कुछ कानूनी व्यवस्थाओं के अनुसार यदि खाद्य मिलावट के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए या अत्यंत गंभीर जनहानि हो, तो दोषी को आजीवन कारावास तथा कुछ विशेष परिस्थितियों में मृत्युदंड तक का प्रावधान है। हालांकि मृत्युदंड केवल अत्यंत गंभीर मामलों में ही लागू किया जाता है और इसका प्रयोग अत्यंत दुर्लभ है। भारत में मिलावट के मामलों पर कानूनी प्रावधानः- भारत में खाद्य मिलावट के मामलों पर मुख्य रूप से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 लागू होता है। इस कानून के अंतर्गत मिलावट की गंभीरता के आधार पर दोषी पर भारी आर्थिक दंड, कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है। यदि मिलावटी खाद्य पदार्थ के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो दोषी को आजीवन कारावास तथा कम से कम 10 लाख के जुर्माने की सजा दी जा सकती है। वहीं कम गंभीर मामलों में जुर्माना तथा 6 माह से लेकर 6 वर्ष तक के कारावास का भी प्रावधान है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि उनका सख्त और प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

आखिर मिलावट पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा ?ः यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि आखिर कठोर कानूनी प्रावधानों के बावजूद खाद्य पदार्थों में मिलावट का अवैध कारोबार लगातार क्यों बढ़ रहा है? जिस सरकारी तंत्र पर खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जिम्मेदारी है, क्या वह अपना दायित्व पूरी ईमानदारी से निभा रहा है? जो मामले दर्ज होते हैं, उनमें भी यदि दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम रहती है, तो यह चिंता का विषय है। कई बार संबंधित विभागों के कुछ कर्मियों की कथित साठगांठ के कारण मिलावट करने वाले बच निकलते हैं। यही कारण है कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के मन से कानून का भय समाप्त होता जा रहा है।

समाधान और निष्कर्षः-

यहां यही कहूंगा कि इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सरकार को खाद्य पदार्थों की निगरानी और जांच व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा प्रभावी बनाना होगा। जांच करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा मिलावटखोरों को संरक्षण देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, आम नागरिकों को भी जागरूक होकर केवल विश्वसनीय एवं प्रमाणित स्थानों से ही खाद्य सामग्री खरीदनी चाहिए और संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत संबंधित अधिकारियों तक पहुँचानी चाहिए। वास्तव में, सच तो यह है कि मिलावट केवल कानून का ही उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के साथ किया जाने वाला गंभीर अपराध है। सरकार, प्रशासन और समाज-तीनों के संयुक्त प्रयासों से ही इस बुराई पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। स्वस्थ समाज की आधारशिला शुद्ध भोजन है, इसलिए मिलावट के विरुद्ध जनजागरण और कठोर कार्रवाई समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हॉकी विश्व कप से पहले भारतीय स्ट्राइकरों ने बताया सफलता का फॉर्मूला

एजेंसी, नई दिल्ली

एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 के आगाज में अब दो सप्ताह से भी कम समय बचा है। ऐसे में भारतीय पुरुष हॉकी टीम अंतिम तैयारियों में जुटी हुई है। टीम के स्टार फॉरवर्ड मनदीप सिंह, अभिषेक और शिलानंद लकड़ा का मानना है कि आधुनिक हॉकी में सफलता के लिए फॉरवर्ड खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल, निरंतरता और टीमवर्क सबसे अहम हैं। अपने चौथे एफआईएच विश्व कप में उतरने जा रहे अनुभवी फॉरवर्ड मनदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीखा और अब वही अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा कर रहे हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "जब मैं युवा था, तब मैं सीनियर खिलाड़ियों से खूब सवाल पूछता था और उनसे बहुत कुछ सीखा। अब मैं वही अनुभव युवा फॉरवर्ड खिलाड़ियों के साथ साझा करता हूं। हम बड़े मुकाबलों में दबाव को संभालने, शांत रहने और सही फैसले लेने पर चर्चा करते हैं।" मनदीप के अनुसार, गोल करने की सफलता केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि सुनियोजित अभ्यास से मिलती है। उन्होंने कहा, "हम फॉरवर्ड खिलाड़ियों के अभ्यास सत्र काफी विशेष होते हैं। हम डी के भीतर तालमेल बनाने, अंतिम पास को सही तरीके से लेने और हर आक्रमण को परिणाम तक पहुंचाने पर लगातार मेहनत करते हैं। हमारा लक्ष्य हर बार डी में प्रवेश करने पर गोल करना, गोल पर शॉट लगाना या पेनल्टी कॉर्नर हासिल करना होता है।" उन्होंने आगे कहा, "एक अच्छा स्ट्राइकर सिर्फ गोल करने के बारे में नहीं सोचता। हॉकी टीम का खेल है और साथियों के साथ जितनी बेहतर समझ होगी, उतना ही प्रभावी प्रदर्शन होगा।" अपने पहले एफआईएच विश्व कप की तैयारी कर रहे शिलानंद लकड़ा ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों, खासकर मनदीप सिंह का मार्गदर्शन उनके लिए काफी मददगार रहा है। उन्होंने कहा, "जब भी मुझसे कोई गलती होती है, सीनियर खिलाड़ी बताते हैं कि मुझे कहां सुधार करना है। मनदीप भाई हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं और सही दिशा दिखाते हैं। उनकी सलाह से मुझे लगातार सीखने और बेहतर बनने में मदद मिलती है।" लकड़ा का मानना है कि आधुनिक हॉकी में फॉरवर्ड की भूमिका सिर्फ गोल करने तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा, "मैं हमेशा टीम के लिए हर संभव योगदान देने की कोशिश करता हूं।

राष्ट्रमंडल खेल : मुक्केबाज प्रीति पवार ने फाइनल में बनाई जगह, स्वर्ण पदक पर नजर

एजेंसी, ग्लासगो

भारत की मुक्केबाज प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 54 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया। मुकाबले की शुरुआत से ही प्रीति ने बेहतरीन फुटवर्क और तेज काउंटर पंचों से मुकाबले पर अपनी पकड़ बना ली। म्वापे लगातार आक्रामक होने की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने सटीक लेफ्ट-राइट जैब से उन्हें कई बार बैकफुट पर

धकेल दिया। दूसरे राउंड में प्रीति के दमदार प्रहारों के बाद म्वापे को दो बार स्टैंडिंग काउंट का सामना करना पड़ा। दूसरे राउंड के बाद सभी पांचों जजों ने प्रीति के पक्ष में 10-8 का स्कोर दिया और भारतीय मुक्केबाज 5-0 की मजबूत बढ़त के साथ अंतिम राउंड में उतरीं। तीसरे और अंतिम राउंड में म्वापे ने वापसी की कोशिश की, लेकिन प्रीति ने शानदार काउंटर अटैक करते हुए लगातार प्रभावी पंच लगाए। एक बेहतरीन लेफ्ट हुक और उसके बाद लगातार लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन ने जाम्बियाई मुक्केबाज को पूरी तरह दबाव में ला दिया। मुकाबले के अंत तक प्रीति ने अपना दबदबा बनाए रखा। घंटी बजने के बाद फैसला पूरी तरह भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में गया और प्रीति ने 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली। अब स्वर्ण पदक के मुकाबले में प्रीति पवार का सामना कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से होगा। भारतीय मुक्केबाज की नजर अब राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक पर होगी।

बनारस की कराटे खिलाड़ी गौरी पाठक वर्ल्ड पुलिस गेम्स में चयनित

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी लहरतारा निवासी कराटे खिलाड़ी गौरी पाठक ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए भी चयनित हुई है। हाल में ही गौरी ने 11वें ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर–2026 में व्यक्तिगत कुमिते (-61 किग्रा) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। गौरी के इस स्वर्णिम सफलता पर जिला कराटे संघ ने खुशी जताई है। शुक्रवार को जिला कराटे संघ के महासचिव दिलीप कुमार सैनी व कोच किसलय मानव ने यह जानकारी

दी। उन्होंने बताया कि श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित 9वें साउथ एशियन कराटे प्रतियोगिता में गौरी पाठक ने रजत पदक जीता था। यह प्रतियोगिता 5 से 6 जुलाई तक खेली गई। बनारस की गौरी पाठक ने भारतीय टीम में जिले का प्रतिनिधित्व किया। गौरी पाठक वर्तमान में सीआरपीएफ में अपनी सेवाएं दे रही हैं। वर्तमान में गौरी मानव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स और कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन से सेकेंड डिग्री ब्लैक बेल्ट है। पदाधिकारियों के अनुसार गौरी ने महज 8 वर्ष की आयु में कराटे सीखना शुरू किया और वाराणसी स्थित मानव एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट्स से प्रशिक्षण प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतने तथा एशियन कराटे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, वर्ष 2019 में उनका चयन सीआरपीएफ में स्पोर्ट्स कोटा के माध्यम से हुआ।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सीमा ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में जीता कांस्य

एजेंसी, ग्लासगो । भारत की सीमा कालीरामना ने गुरुवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में कांस्य पदक जीता। उनके दूसरे प्रयास में 58.65 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो (छह में से उनके केवल दो ही वैध थ्रो थे) उन्हें पोडियम तक पहुँचाने के लिए काफ़ी था। प्रतियोगिता में शामिल दूसरी भारतीय, निधि रानी, 57.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इन खेलों में महिलाओं के डिस्कस थ्रो में भारत का यह नौवां पदक है और कालीरामना छठी अलग-अलग मेडलिस्ट हैं। सीमा पूनिया के नाम चार राष्ट्रमंडल खेल पदक हैं, जिनमें तीन रजत शामिल हैं। जमैका की सामंथा हॉल ने 61.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

ताइपे ओपनः उन्नति हुड्डा महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में, देविका सिहाग को हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ताइपे ओपन-2026 के महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्नति ने हमवतन देविका सिहाग को 23-21, 21-16 से हराया। मुकाबले के पहले गेम में उन्नति ने दमदार शुरुआत करते हुए 11-3 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, देविका ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 21-21 से बराबर कर दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में उन्नति ने संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला

गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मध्यांतर तक उन्नति 11-9 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। लगातार अंक गंवाने के साथ देविका की लय भी टूटती गई और उन्नति ने 21-16 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 18 वर्षीय उन्नति अब सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियान और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। भारत के अन्य खिलाड़ी तन्वी शर्मा और किरण जॉर्ज भी शुक्रवार को अपने-अपने एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेलेंगे। तन्वी का सामना थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग से, जबकि किरण जॉर्ज का मुकाबला जापान के युदाई ओकिमोटो से होगा।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में सिल्वरस्टॉर्म पार्क्स की कमजोर शुरुआत, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

एम्यूजमेंट पार्क और रिजॉर्ट बुकिंग के साथ ही प्राइवेट और कॉरपोरेट इंवेट्स ऑर्गेनाइज करने का काम करने वाली कंपनी सिल्वरस्टॉर्म पार्क्स एंड रिजॉर्ट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 133 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 पैसे के डिस्काउंट के साथ 132.90 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर मामूली बढ़त के साथ इश्यू प्राइस 133 रुपये तक चढ़े, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये टूट कर 126.30 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर लोअर सर्किट ब्रेक कर दिया। इसके बावजूद इस शेयर की स्थिति में ज्यादा

सुधार नहीं हो सका। दोपहर 11:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद सिल्वरस्टॉर्म के शेयर 126.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 6.50 रुपये यानी 4.89 प्रतिशत का नुकसान हो गया है। इस कंपनी का 82.43 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.39 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61.98 लाख शेयर बेचे गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी लखनऊ में एक नया स्नो पार्क और फैमिली एंटरटेनमेंट सेंटर बनाने, केरलम के अतिरापिल्ली में 1.2 किलोमीटर लंबे एरियल केबल कार प्रोजेक्ट के साथ अपनी सर्विस का विस्तार करने, नए एम्यूजमेंट राइड्स और वॉटर अट्रैक्शन जोड़ने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। सिल्वरस्टॉर्म पार्क्स एंड रिजॉर्ट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी आर्थिक सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 97 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 19.10 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 19.11 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 31.64 करोड़ और वित्त वर्ष 2025-26 में उछल कर 44.85 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अबतक 5.5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल

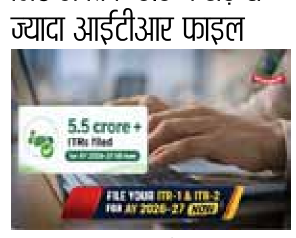

एजेंसी, नई दिल्ली

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की आज आखिरी तारीख है। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 5.5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए जा चुके हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने में आप चूक जाते हैं, तो 31 दिसंबर तक जुर्माना भरकर 'बिलेटेड रिटर्न' फाइल कर सकते हैं। आयकर विभाग ने कहा कि सिर्फ 30 जुलाई को ही 42 लाख से ज्यादा आईटीआर फाइल हुए हैं। विभाग ने कहा कि जुर्माने से बचने के लिए अभी अपना रिटर्न आराम से http://incometax.gov.in पर फाइल करें। उल्लेखनीय है कि व्यक्तिगत करदाताओं, वेतनभोगियों और एचयूएफ के लिए अंतिम तारीख 31 जुलाई है, जिन्हें टैक्स ऑडिट की भरने की जरूरत नहीं है। वो आईटीआर -1 (सहज) या आईटीआर-2 फॉर्म भरते हैं।

कर्नाटक से नीलम और तोतापुरी आम को मालदीव पहली बार हवाई मार्ग से किया गया निर्यात

एजेंसी, नई दिल्ली

कर्नाटक के नीलम और तोतापुरी आमों का मालदीव के लिए पहली बार हवाई मार्ग से निर्यात किया गया। इससे अंतरराष्ट्रीय आम बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी और किसानों की आय बढ़ेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एपीडा को इसके लिए बधाई दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 30 जुलाई को हुए इस निर्यात में मदद की। ये निर्यात अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कर्नाटक की देर से पकने वाली आम की किस्मों को बढ़ावा देने एवं भारत की आम निर्यात बास्केट को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कर्नाटक से मालदीव तक नीलम और तोतापुरी आमों की पहली एयर शिपमेंट को मुमकिन बनाने के लिए एपीडा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मालदीव अब कर्नाटक के इन बेहतरीन आमों

का आनंद ले सकेगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कर्नाटक के आम उत्पादकों के लिए नए मौके खोलती है। इसके साथ ही किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) निर्यातक और कृषि-उद्यमी की भागीदारी को बढ़ावा देती है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी मौजूदगी को मजबूत करती है। मंत्रालय ने कहा कि नीलम और तोतापुरी आमों की एक मीट्रिक टन वाली इस खेप को सीधे कर्नाटक के कोलार जिले के केजीएफ तालुक में स्थित 'प्रकृतिमाया फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' से जुड़े किसानों से हासिल किया गया। इस खेप का निर्यात 'अहल्या देवी वेंचर्स' की डायरेक्टर अश्विनी ए ने किया, जो एक नई रजिस्टर्ड महिला उद्यमी और निर्यातक हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि यह भारत के कृषि-निर्यात इकोसिस्टम में महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। आम के इस खेप को एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव (आईएएस) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इसे संभव बनाने में निर्यातकों, किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी), किसानों और सभी संबंधित पक्षों की सामूहिक कोशिशों की सराहना की।

सब्सक्रिप्शन के लिए फ्यूजन क्लासरुम का आईपीओ लॉन्च, 7 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रोफेशनल और कंपेटिटिव परीक्षाओं के लिए कोचिंग सर्विस देने वाली कंपनी फ्यूजन क्लासरुम एडुटेक लिमिटेड का 39.04 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में चार अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद पांच अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि छह जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होने के बाद दोपहर 11:30 बजे तक ये आईपीओ 14 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 151 रुपये से लेकर 159 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,54,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 24,55,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 32 करोड़ रुपये के 19,89,400 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि 7.04 करोड़ रुपये के 4,645,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.31प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.30 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.37 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 770 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 840 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,310 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पहली तिमाही में टाटा स्टील का शानदार प्रदर्शन, भारत में मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़कर 4,668 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्वी सिंहभूम, 31 जुलाई (हि.स.)। टाटा स्टील ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के वित्तीय परिणामों में मजबूत प्रदर्शन दर्ज करते हुए घरेलू कारोबार में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद कंपनी ने लाभप्रदता, परिचालन दक्षता और बिक्री के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन किया है। कंपनी का भारत में कर पश्चात लाभ (पीएटी) सालाना आधार पर लगभग 35 प्रतिशत बढ़कर 4,668 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि समेकित (कंसोलिडेटेड) कर पश्चात लाभ 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,385 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। शुक्रवार को जारी कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार, पहली तिमाही में समेकित राजस्व 60,794 करोड़ रुपये रहा, जबकि समेकित ईबीआईटीडीए 9,370 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। भारत में कंपनी का राजस्व 36,989 करोड़ रुपये रहा और ईबीआईटीडीए 9,908 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान भारत में ईबीआईटीडीए मार्जिन 27 प्रतिशत रहा, जबकि प्रति टन ईबीआईटीडीए बढ़कर 19,162 रुपये हो गया, जो कंपनी की बेहतर परिचालन क्षमता और लागत नियंत्रण को दर्शाता है। उत्पादन और आपूर्ति के मोर्चे पर भी कंपनी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान भारत में 5.76 मिलियन टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया गया, जबकि 5.17 मिलियन टन इस्पात की डिलीवरी की गई। कंपनी ने बताया कि मेरामंडली और कलिंगानगर संयंत्रों में निर्धारित रखरखाव कार्य के कारण उत्पादन और आपूर्ति पर सीमित असर पड़ा, लेकिन आगामी महीनों में परिचालन पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है।

जब रियल लाइफ में 'बबीता जी' मुनमुन दत्ता ने उठाई हक की आवाज, बोलीं- 'शो में महिलाओं का भी बराबर का महत्व'

अ अपनी दिलकश अदाओं, बेमिसाल खूबसूरती और ग्रेसफुल अंदाज से टेलीविजन के सबसे चर्चित धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी एक खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मुनमुन दत्ता रियल लाइफ में भी बेहद बेबाक, मुखर और स्वाभिमानी इंसान हैं। पर्दे पर हमेशा अपनी गरिमा, सौम्यता और समझदारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली 'बबीता जी' ने अब शो की अभूतपूर्व सफलता में महिला कलाकारों के अतुलनीय योगदान को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है। मुनमुन का मानना है कि इस लंबे समय से चले आ रहे हिट कॉमेडी शो में महिला कलाकारों का योगदान पुरुषों के बराबर ही महत्वपूर्ण है और उन्हें उनके काम के लिए पूरी पहचान, श्रेय और सम्मान मिलना चाहिए। शो के सफलतम 18 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान मुनमुन दत्ता ने अपनी महिला को-स्टार्स के हुनर, लगन और काम के प्रति उनकी निष्ठा की जमकर तारीफ की। अपनी ऑन-स्क्रीन छवि की तरह ही असल जिंदगी में भी एक मजबूत और स्वतंत्र सोच रखने वाली मुनमुन ने खुद को एक सच्चा फेमिनिस्ट बताया। उन्होंने बेहद साफ शब्दों में कहा कि वे अपनी साथी अभिनेत्रियों को कभी भी कॉम्पिटिशन या प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखतीं। उनका मानना है कि जब सभी महिलाएं एक-दूसरे का हाथ थामकर साथ मिलकर आगे बढ़ती हैं, तभी वास्तविक और स्थायी सफलता हासिल होती है। गोकुलधाम सोसाइटी के माहौल में बबीता जी का किरदार जितना पॉजिटिव दिखाई देता है, सेट पर भी मुनमुन अपनी साथी अभिनेत्रियों के साथ वैसा ही प्यार, सम्मान और समझदारी का रिश्ता बनाए रखती हैं। मुनमुन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की सभी महिला कलाकार न केवल अपनी-अपनी भूमिकाएं पूरी निष्ठा से निभाती हैं, बल्कि अपने अभिनय से किरदारों में एक अनूठा निखार भी लाती हैं। दयाबेन के अनोखे अंदाज से लेकर माधवी भाभी की सादगी, रोशना की ऊर्जा, कोमल भाभी का स्नेह और बबीता जी का आधुनिक अंदाज—ये सभी किरदार इस शो की मुख्य रीढ़ रहे हैं। मुनमुन के अनुसार, महिलाओं की मौजूदगी और उनके अभिनय के बिना गोकुलधाम की कल्पना भी अधूरी लगती है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि अक्सर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में महिलाओं के कठिन परिश्रम को वह पहचान या श्रेय नहीं मिल पाता जिसकी वे सही मायने में हकदार होती हैं। टीवी सीरियलों और कॉमेडी शो में मुख्य केंद्र अक्सर पुरुषों पर रखा जाता है, लेकिन 'तारक मेहता' की हर एक महिला कलाकार ने साबित किया है कि सही मंच मिलने पर वे शो को ऊंचाइयों पर ले जा सकती हैं। मुनमुन का मानना है कि क्रेडिट (श्रेय) का बंटवारा भी काम के हिसाब से बराबरी से होना चाहिए। इसके अलावा, मुनमुन ने यह भी स्पष्ट किया कि इतने सालों तक दर्शकों को बांधे रखना कोई आसान काम नहीं है। हर रोज सेट पर आकर नए उत्साह के साथ परफॉर्म करना, स्क्रिप्ट में अपने अनुसार कुछ अलग और मजेदार जोड़ना और बिना किसी खींचतान के एक टीम की तरह काम करना ही इस शो का मुख्य यूएसपी (USP) रहा है। सेट का माहौल बेहद सकारात्मक रहता है, जहाँ हर कलाकार बिना किसी छिपे एजेंडे या व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा के रोजाना अपना शत-प्रतिशत देने आता है। मुनमुन का यह बेबाक और स्पष्ट बयान सोशल मीडिया पर आते ही खूब वायरल हो रहा है। फैंस 'बबीता जी' के इस फेमिनिस्ट और सहयोगी रवैये की खुलकर सराहना कर रहे हैं। 28 जुलाई को 18 साल पूरे कर चुके इस शो ने भारतीय टेलीविजन में इतिहास रच दिया है। मुनमुन के इस बयान ने यह साबित कर दिया है कि पर्दे के पीछे काम करने वाली महिला कलाकारों का यह अटूट जज्बा और आपसी सम्मान ही इस शो की असली ताकत है, जिसके दम पर यह सीरियल आज भी दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है।

आरआरआर के को-स्टार जूनियर एनटीआर को शूटिंग के दौरान लगी चोट

हा हाल ही में साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण को शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद सर्जरी करवानी पड़ी थी। पूर्व में अभिनेता राम चरण की कलाई की सर्जरी भी हुई थी, जब उन्हें अपनी फिल्म पेड्डी के सेट पर चोट लगी थी। इसी कडी में अब आरआरआर के को-स्टार जूनियर एनटीआर का नाम भी जुड़ गया है, जिन्हें कंधे में चोट आई है। डॉक्टरों ने उन्हें कम से कम एक महीने के आराम की सलाह दी है, जिससे उनकी आगामी प्रोजेक्ट्स पर, खासकर प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म ड्रैगन पर, असर पड़ने की आशंका है। जूनियर एनटीआर की टीम ने इस चोट की पुष्टि की है और बताया है कि एक्टर को अगले छह से आठ हफ्तों तक आराम करना होगा। टीम के अनुसार, यह चोट 27 जुलाई को एक गतिविधि के दौरान लगी थी। डॉ. जे. मधुसूदन राव और डॉ. आरए पुरमचंद्र तेजस्वी जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम जूनियर एनटीआर का इलाज कर रही है। डॉक्टरों ने एक से डेढ़ महीने के आराम का परामर्श दिया है। टीम ने फैंस को आश्वस्त करते हुए कहा है कि चिंता की कोई बात नहीं है और वे समय-समय पर अभिनेता की सेहत के बारे में अपडेट देते रहेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह चोट किस फिल्म की शूटिंग के दौरान लगी है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि यह प्रशांत नील की अपकमिंग फिल्म ड्रैगन के काम से जुड़ी हो सकती है। प्रशांत नील ने मई में ही ड्रैगन का फर्स्ट लुक रिवील किया था। फिल्म ड्रैगन 60 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जब अफीम का व्यापार और अफगान ट्रेडिंग चरम पर था। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर का किरदार काफी दिलचस्प बताया जा रहा है। वह एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं जो परिस्थितियों के कारण एक बेरहम हत्यारा बन गया है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

90s में अंडरवर्ल्ड के खौफ पर बोले मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू

ऐ ऐसा एक समय था जब बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का बोलबाला था, और ऐसे माहौल में किसी भी एक्टर को अंडरवर्ल्ड का खौफ हर समय सताता था। हाल ही में उस दौर के बारे में बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने खुलकर बात की है। कुमार सानू ने बताया कि यह वह समय था जब उन्हें दुबई में एक प्राइवेट पार्टी में अंडरवर्ल्ड डॉन के सामने परफॉर्म करना पड़ा था। कुमार सानू के अनुसार, यह उनके करियर का सबसे डरावना अनुभव था, जब उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत ज्यादा डर लग रहा था। कुमार सानू ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि उस समय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर कथित तौर पर अंडरवर्ल्ड का काफी गहरा असर था। एक पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि ऐसे अनुरोधों को उस समय मना करना खतरों से खाली नहीं था। इंडस्ट्री में हर कोई डर के साए में जीता था और किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति की बात को टालना भारी पड़ सकता था।

उन्होंने उस समय के माहौल को याद करते हुए बताया कि उन सालों में इंडस्ट्री में काफी अलग ही माहौल था और उन्हें बहुत डर लग रहा था, क्योंकि एक अलग ही सिस्टम चल रहा था। होस्ट ने उनसे पूछा कि वह समय इतना खतरनाक था कि म्यूजिक इंडस्ट्री के इतने फेमस पर्सनैलिटी होने के बावजूद गुलशन कुमार जैसे व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया गया था। इस पर कुमार सानू ने सहमति जताते हुए बताया कि वह इस डर और बात को बखूबी समझ सकते हैं। उन्होंने कुछ इवेंट्स में ऐसे माहौल को देखा है और यही वजह है कि वह चाहकर भी ऐसे इवेंट्स में परफॉर्म करने से मना नहीं कर पाए। वह जानते थे कि किसी भी तरह से मना करना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है। ऐसे अनुरोधों को ऐसे में हां कहना ही सबसे प्रैक्टिकल और सुरक्षित ऑप्शन होता था, भले ही अंदर से कितना भी डर क्यों न हो। उन्होंने बताया कि उस वक्त यह सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि जान बचाने की जंग थी। जब उनसे आगे पूछा गया कि आखिर उन्होंने खुद को ऐसे मुश्किल वक्त में कैसे संभाला, तो प्लेबैक सिंगर ने बताया कि इनमें से कुछ प्रभावशाली लोगों से उनकी अच्छी दोस्ती हो गई थी, जिन्होंने उन्हें यह भरोसा दिया कि अगर कोई मुश्किल आई तो वह उनकी सुरक्षा और मदद भी देंगे। कुमार सानू के मुताबिक, उन्होंने इसके बावजूद ऐसे लोगों से दूरी ही रखी और कभी भी उनके दखल को अपनी ज़िंदगी में बढ़ावा नहीं दिया। वे जानते थे कि थोड़ी सी भी लापरवाही घातक हो सकती है, इसलिए उन्होंने हमेशा एक पेशेवर दूरी बनाए रखी।

सोनू सूद ने मॉडलिंग से की थी करियर की शुरुआत

अ अभिनेता सोनू सूद के पास इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हैं। इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में ग्रासिम मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष पांच में शामिल होने के बाद उनका रुझान मॉडलिंग की ओर बढ़ा। अभिनय के सपनों को साकार करने के लिए सोनू सूद मुंबई आए, जहाँ उनके शुरुआती दिन संघर्षों से भरे थे। मात्र 5,500 रुपए लेकर शहर आए सोनू ने छह अन्य लोगों के साथ एक छोटा कमरा साझा किया और अपनी आर्थिक ज़रूरतों के लिए 4,500 रुपए प्रतिमाह की निजी नौकरी भी की। उनका पहला मॉडलिंग असाइनमेंट उन्हें 500 रुपए का पारिश्रमिक दिला पाया था। निजी जीवन में वे अत्यधिक अनुशासित हैं – शुद्ध शाकाहारी, धूम्रपान व शराब से दूर और अपनी फिटनेस के लिए किक-बॉक्सिंग का कड़ाई से पालन करते हैं। 25 सितंबर 1996 को उन्होंने सोनाली सूद से विवाह किया और उनके दो पुत्र, ईशांत और अयान हैं। सोनू सूद ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1999 में तमिल फिल्म कल्लाझगर से की और 2002 में शहीद-ए-आजम के साथ बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने धीरे-धीरे फिल्म उद्योग में अपनी जगह बनाई। 2008 में तेलुगु फिल्म अरुंधति में खलनायक की भूमिका के लिए उन्हें नंदी पुरस्कार और फिल्मफेयर सम्मान मिला। 2010 में हिंदी फिल्म दबंग में छेदी सिंह के किरदार ने उन्हें अप्सरा अवॉर्ड और आईफा अवॉर्ड दिलाए। 2017 में उन्होंने जैकी चैन के साथ कुंग फू योगा में मुख्य विलेन रान्डेल की भूमिका निभाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई। हालांकि, सोनू सूद का सबसे बड़ा और स्थायी योगदान सिनेमा के पर्दे से बाहर उनके मानवीय कार्यों के रूप में सामने आया है। कोविड-19 संकट के दौरान उनके अथक प्रयासों को संस्थागत रूप देने के लिए सूद चैरिटी फाउंडेशन की स्थापना की गई। महामारी से उत्पन्न हुए विशाल रोज़गार संकट को देखते हुए उन्होंने प्रवासी रोजगार नामक पोर्टल लॉन्च किया। इस पहल की सफलता को देखते हुए, इसे बाद में टेमासेक समर्थित गुड वर्कर से 34 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ, जिसका लक्ष्य 10 करोड़ भारतीयों को आजीविका और कौशल विकास से जोड़ना है। कोविड लॉकडाउन के दौरान, उनके फाउंडेशन ने 90,000 से अधिक प्रवासी मजदूरों को उनके घर तक पहुँचाया, 300 से अधिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्रदान किए, और 300 से अधिक हृदय सर्जरी में सहायता की। उन्होंने संभवम् (मुफ्त आईएएस कोचिंग) और संकल्प (कानून प्रवेश) जैसी महत्वपूर्ण शैक्षिक पहलें भी चलाईं। उनके इसी समर्पण को देखते हुए 27 अगस्त 2021 को दिल्ली सरकार ने उन्हें देश के मेंटर का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया।

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की बंटवारा 1947 का फैंस को इंतजार

बॉ बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म बंटवारा 1947 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज से ठीक पहले, सनी देओल ने अपनी मां के साथ एक बेहद भावुक तस्वीर साझा की है, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल छू लिया है। राजकुमार संतोषी के कुशल निर्देशन में बनी बंटवारा 1947 की रिलीज पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। यह फिल्म हाल ही में सेंसर बोर्ड से बिना किसी कट के पास की गई है, जिससे इसकी रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा थी, लेकिन सनी देओल के इस भावनात्मक पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस तस्वीर में सनी अपनी मां के साथ बेहद आत्मीय पल साझा करते दिख रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी गहरी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, मेरी मां ही मेरा रब हैं। मेरा प्यार, मेरा हौसला, मेरी ताकत। इस कैप्शन के साथ उन्होंने यह भी बताया कि वह अपनी फिल्म बंटवारा 1947 को अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करते हैं। बंटवारे के दर्दनाक दौर में माताओं के बलिदान और प्रेम को समर्पित यह संदेश निश्चित रूप से दर्शकों के दिलों को छू जाएगा। सनी देओल ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए बताया कि फिल्म का ट्रेलर अगले दिन रिलीज होने वाला है। उनके इस भावनात्मक संदेश पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। यूजर्स

एक्टर की मां के प्रति सम्मान और अटूट प्रेम की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म के मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज से पहले किरदारों के पोस्टर भी साझा किए थे, जिनमें सनी देओल का किरदार काफी भावनात्मक और दमदार नजर आया था, जिसने फिल्म की कहानी की गहराई का संकेत दिया था। बता दें कि बंटवारा 1947 में सनी देओल के साथ बॉलीवुड की कई दिग्गज हस्तियां भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। इनमें बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा और अनुभवी अभिनेत्री शबाना आजमी शामिल हैं, जो फिल्म को और भी सशक्त बनाती हैं। इनके अलावा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी खास रोल में दिखाई देंगे। सनी देओल के बेटे करण देओल भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरते नजर आएंगे।

नीना गुप्ता ने बेटी मसाबा के बनाए कपडों को लेकर किया मजेदार पोस्ट

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता ने अपनी फैशन डिज़ाइनर बेटी मसाबा गुप्ता द्वारा बनाए गए कपड़ों को लेकर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा चर्चा हो रही है। नीना गुप्ता अपनी ज़िंदगी को खुलकर जीने और अपनी शर्तों पर आगे बढ़ने के लिए जानी जाती हैं, और यह पोस्ट उनके इसी बेबाक अंदाज़ का प्रमाण है। नीना गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वे बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रही हैं। इस फोटो में उन्होंने अपनी बेटी मसाबा की डिज़ाइन की हुई ब्लैक कलर की काफ्तान स्टाइल ड्रेस पहनी हुई है। यह ड्रेस उनके ऊपर खूब फब रही है और उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। नीना ने इस ड्रेस के साथ बड़े और आकर्षक इयररिंग्स पहने हैं, और हाथ में एक स्टाइलिश ब्लैक

बैग भी लिया हुआ है, जो उनके लुक को कंप्लीट कर रहा है। उन्होंने अपना मेकअप बहुत ही सिंपल रखा है, जो उनकी प्राकृतिक सुंदरता को निखार रहा है, और बालों का जुड़ा बनाया हुआ है, जो उन्हें एक क्लासी और एलीगेंट लुक दे रहा है। अपनी इस खूबसूरत फोटो को शेयर करते हुए नीना गुप्ता ने अपनी बेटी के काम की जमकर तारीफ की, लेकिन अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज़ में। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि उन्होंने मसाबा की बनाई इस ड्रेस को कई बार पहना है और यह हर बार नई लगती है। इसके आगे नीना ने अपने मजाकिया लहजे में लिखा कि वे असल में नई की जगह सेक्सी कहना चाहती थीं, लेकिन फिर लोग बोलेंगे कि इस बुढ़िया को क्या हो गया है! उनका यह बेबाक और आत्मविश्वासी कैप्शन उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है और वे नीना के इस अंदाज़ पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। यह उनकी पर्सनालिटी को दर्शाता है कि वह उम्र को सिर्फ एक संख्या मानती हैं। नीना गुप्ता अक्सर अपनी बेटी मसाबा गुप्ता के काम की तारीफ करती रहती हैं और उन पर गर्व महसूस करती हैं। मसाबा आज फैशन की दुनिया में एक बड़ा नाम बन चुकी हैं और उनका हाउस ऑफ मसाबा एक प्रतिष्ठित ब्रांड बन गया है। नीना अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और सोशल मीडिया पोस्ट्स में मसाबा द्वारा डिज़ाइन किए गए आउटफिट्स में नज़र आती हैं, जिससे वे अपनी बेटी के काम को सपोर्ट करती हैं और गर्व महसूस करती हैं। इस उम्र में भी नीना गुप्ता लगातार फिल्मों और वेब सीरीज़ में सक्रिय हैं और अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। हाल ही में वे क्राइम थ्रिलर फिल्म वध 2 में नज़र आई थीं, जहाँ उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई थी। इससे पहले वे कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में भी दिखाई दी थीं। जल्द ही वे रणदीप हुड्डा और संजय मिश्रा के साथ फिल्म पचहत्तर का छोरा में नज़र आने वाली हैं, जो उनके विविध किरदारों को चुनने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। इसके अलावा, उनके पास रकुल प्रीत सिंह के साथ भी एक कॉमेडी फिल्म है, जिससे साबित होता है कि नीना गुप्ता की अभिनय यात्रा अभी भी जारी है और वे हर तरह के जॉनर में अपनी छाप छोड़ रही हैं। मालूम हो कि नीना गुप्ता अपनी उम्र को मात देती हुई, 70 साल की उम्र में भी स्टाइलिश अंदाज़ और बेहतरीन एक्टिंग से सबको हैरान कर देती हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी निजी ज़िंदगी और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातें अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं, जो तुरंत वायरल हो जाती हैं।

BRIFF NEWS

Denied seat, student hacks IIT-Kanpur website to show his 'merit'

Knapur, Agency: A candidate who was denied admission to BTech in cyber security at IIT Kanpur claimed to have hacked the institute's website seeking a "fair chance", which he managed to get.

"The site is hacked, and all I need is a fair chance," the candidate said in a message posted on a social media platform. He clarified that his intention was not to harm IIT Kanpur or its website, but to demonstrate his capability and merit for admission to the programme.

"I was not given an opportunity to participate in the hackathon that was a part of the selection process. I paid the admission fee, uploaded all the required documents and submitted evidence of my work in the field of cyber security, yet I was not selected," the candidate said.

Government: North-east cartels shifting towards synthetic drugs

New Delhi, Agency: Drug syndicates active in the north-east are shifting towards synthetic drugs and increasingly using social media and encrypted communication apps to coordinate cross-border smuggling, government informed Rajya Sabha on Wednesday. In a written reply, junior home minister Nityanand Rai said there was a "marked increase in the trafficking of methamphetamine from Myanmar, particularly through Manipur, Mizoram and Nagaland", reflecting a shift towards synthetic drugs, even as heroin trafficking continued.

No district affected by Naxalism anymore: Ministry of home affairs

New Delhi, Agency: On a day the last 'active' CPI(Maoist) politburo member, Misir Besra, was neutralised, Union home ministry informed Rajya Sabha on Wednesday that the count of Left-wing extremism-affected districts in the country had fallen to 'zero' in March 2026 from 126 prior to April 2018. In written reply to a question, MoS for home Nityanand Rai shared that 33 incidents of violence perpetrated by Maoists were recorded till July 21 this year, in which six civilians and five security personnel were killed.

India's first Vande Bharat freight train begins trial run, hits 145 kmph

New Delhi, Agency: Vande Bharat freight train trial run: India's first Vande Bharat freight train has entered the trial phase, hitting a top speed of 145 kmph. The test run is being conducted in the Kota Division of West Central Railway (WCR) zone. The new freight train is expected to make cargo movement faster and improve logistics across the Indian Railways network.

The national transporter has planned a month-long testing schedule for the train. During this period, it will be tested under different speed and operating conditions on the Kota-Nagda-Sawai Madhopur rail section.

According to Saurabh Jain, Senior Divisional Commercial Manager of Kota Division, this is the country's first 16-coach Vande Bharat platform-based Freight EMU prototype rake. It has been developed by the Chennai-based Integral Coach Factory (ICF). The train aims to bring faster, time-bound and modern parcel and logistics services to Indian Railways.

"These trials being conducted by the Research Designs and Standards Organisation (RDSO), this prototype rake has arrived in Kota Division from ICF Chennai. Detailed technical trials are now being carried out on the Kota-Nagda-Sawai Madhopur section, which is among Indian Railways' most suitable high-speed test corridors," he added. During the return journey from Mahidpur Road to Kota, the rake achieved a maximum speed of 145 kmph, the highest speed recorded on the first day of trials. The successful trial was supported by uninterrupted green signals at stations along the route, he said.

Vande Bharat cargo prototype trial run: The Railway official said that the trial series officially began on July 29, 2026. On the first day, the special trial rake departed from Kota for Mahidpur Road at 6:00 am. It was tested at different speeds, including 120 kmph on the Kota-Mahidpur Road section and recorded speeds of 120 kmph and 135 kmph on the Mahidpur Road-Bhawani Mandi section.

MP Seeks Better Compensation for NTPC Project-Affected Families

New Delhi/Hazaribagh : Hazaribag Member of Parliament Manish Jaiswal met Pankaj Agarwal, Secretary, Ministry of Power, Government of India, in New Delhi to discuss the concerns of landowners and families displaced by NTPC Limited's coal mining projects. The meeting focused on improving the rehabilitation policy, compensation framework, and ensuring justice for project-affected families.

During the meeting, MP Manish Jaiswal stated that he remains committed Limited's coal mining projects. to safeguarding the rights and interests of the affected people and expressed confidence that the government would soon take positive decisions in their favour.

Ahead of dengue vaccine rollout all 4 strains found in circulation

New Delhi, Agency: As India moves towards introducing a dengue vaccine by next year, the country's first nationwide mapping of dengue virus strains has found all four serotypes circulating simultaneously in eight states and UTs, a development researchers say could influence vaccine strategy as infections with multiple strains are associated with more severe disease.

The pan-India molecular surveillance study, led by ICMR-National Institute of Virology, Pune, analysed 6,889 lab-confirmed dengue samples collected through 45 virus research and diagnostic laboratories (VRDLs) across 25 states and UTs between 2023 and 2025. It found that dengue serotypes - at least two - were co-circulating in each state and UT included in the surveillance, indicating increasing hyperendemicity of the disease in India.

According to the study, all four dengue serotypes (DENV-1, DENV-2, DENV-3 and DENV-4) were detected simultaneously in Andhra, Gujarat, MP, Haryana, Maharashtra, Rajasthan, Tamil Nadu and West Bengal.

ADGCA-ordered probe cleared Dreamliner fuel switch: Government

New Delhi, Agency: A DGCA-ordered probe by Boeing into the fuel control switch locking mechanism of the B787 Dreamliner has found "no abnormality", govt told Parliament on Wednesday. The regulator had ordered this repeat examination after the crew operating an AI Dreamliner from London to Bengaluru in Feb had observed an issue with the switch after landing safely and had reported the same.

The switches, which control fuel supply to engines, have been under scrutiny after AI 171 crashed within seconds of taking off from Ahmedabad in June 2025 as its engines had run out of fuel. While the incident is still being probed, the locking system of fuel control switches has been probed multiple times since then to ensure safety. Dreamliners operating around the world are still being looked at by the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB), which is probing the crash. The Dreamliner is the most widely used mid-range wide body aircraft globally. "DGCA, as part of continued airworthiness, directed original equipment manufacturer (OEM) level testing of fuel control switch locking mechanism in Seattle.

Sainik School Nalanda Holds Investiture Ceremony for 2026-27

Nalanda: Sainik School Nalanda organised its annual Investiture Ceremony for the academic session 2026–27 on July 29 and 30, formally appointing student leaders to key leadership positions. The ceremony was held at the Mauryan Sabhagar and marked the beginning of the new student leadership team entrusted with maintaining discipline, responsibility and the school's traditions.

The investiture ceremony was led by Colonel Bhupender Kumar, Principal of Sainik School Nalanda, in the presence of Lt Colonel Meghna Singh, Vice Principal, Lt Colonel Sapdhare Harsh Madhukar, Adminis trative Officer, housemasters, faculty members and cadets. The newly elected school, house and class appointees were presented with rank badges and epaulettes as symbols of their responsibilities.

Among the key appointments, Cadet Ritu Raj was named School Cadet Captain, Cadet Shivraj became School Adjutant, Cadet Aryan Kumar was appointed Academic Captain, Cadet Salim Ali assumed the role of Sports Captain, and Cadet Sanaya was appointed Girl Cadet Captain for the current academic session.

Following the formal investiture, the newly appointed cadets took an oath to uphold the values, discipline and traditions of the institution while serving as role models for their fellow students.

Addressing the gathering, Principal Colonel Bhupender Kumar urged the cadet leaders to discharge their duties with dedication, integrity and honour. He highlighted the significance of investiture ceremonies in military institutions, describing them as milestones that shape leadership, responsibility and character.

2 years after death, Supreme Court clears former PM Manmohan Singh in Coalgate case

New Delhi, Agency: More than 11 years after a Delhi court sensationally summoned former PM Manmohan Singh as an accused in a coal block allotment scam case, the Supreme Court Wednesday gave him a clean chit, closing the case nearly two years after his demise.

Special judge Bharat Parashar, presiding over trials in coal block allotment scam cases which were investigated by the CBI under the SC's monitoring, had on March 11, 2015, issued summons to Singh in the case relating to irregular allocation of Talabira-II coal block in Odisha to Kumar Mangalam Birla-owned Hindalco. Singh held the charge of coal ministry at the time of the allocation in question. Parashar, now the secretary general of SC, had declined to close the cases despite the CBI filing two successive reports - on Aug 27, 2014, and Oct 21, 2014 - recommending the same.

Since the Supreme Court had barred Delhi HC from entertaining appeals against interim orders of the special judge, Singh moved SC challenging trial court's order.

A bench of Justices V Gopala Gowda and C Nagappan had on April 1, 2015, stayed the summoning order, saving the ex-PM the embarrassment of appearing as an accused in the Patiala House Court complex.

On Wednesday, senior advocate Kapil Sibal, who had earlier successfully argued in SC for staying the proceedings against Singh, told a bench of Chief Justice Surya Kant and Justices Joymalaya Bagchi and V Mohana that though the proceedings would abate due to Singh's demise in Nov 2024, the court should remove the trial court's observations against the ex-PM in the summoning order.

Here's why many MBBS graduates can't take foreign licensing exams

New Delhi, Agency: Thousands of students who have completed MBBS are unable to appear for any foreign licensing examination as the colleges they have graduated from have not initiated the process for an "ECFMG sponsor note" in the World Directory of Medical Schools. This is a formal note on a medical college's listing in the world directory indicating that it meets standards set by Educational Commission for Foreign Medical Graduates (ECFMG). The directory aims to list all medical schools which have been recognised by the local govt or ministry concerned, globally. However, colleges listed here might not have sponsor notes that make their students eligible for ECFMG certification, a credential evaluation agency.

No ban on Jagannath movie, artists must enjoy creative liberty, says Supreme Court

New Delhi, Agency: Rejecting a plea seeking a ban on release of an animated film on Mahaprabhu Jagannath, Supreme Court on Wednesday said artists must enjoy the liberty of creative expression, with courts not getting in the way of art and creativity. As Jagannath temple committee strongly opposed the release of the animation film, a bench of Justices B V Nagarathna and R Mahadevan said that if depiction of gods and goddesses is prevented, then movies on the Ramayana and Mahabharata would not be made and screened at all. It stressed that people ought to be tolerant of depiction of gods and goddesses. "If this is the kind of sensibility, sensitivity...we will pass an order that in respect of Hindu God, Goddess or Mythology, let there be no art form in India! We have Kabir's Ramayana, Valmiki Ramayana, Skanda Ramayana, etc. We have Ramayana in every State. Every person has his own creativity. If we pass such an order, all Ramayana, Mahabharata on television will stop! No art in any form, television, creativity, painting, sculpture of Hindu God or Goddess..." Supreme Court said.Bench said that when the film was passed by Censor Board then there was no reason for the court to interfere and people should not object to the screening of a film which had been approved by the statutory body. "Just because there are two-three sensitive people, can we pass an extreme order that with respect to deity, there shall be no creativity, no literature, no sculpture?... Animated films are for the purpose of children...Earlier, there used to be Yashodhama every night.